RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 13 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 25 डिग्री
न्युनतम तापमान 12 डिग्री

बुधवार 12 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06 :41 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 29 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 रोहिंग्या घुसपैठियों के आधार कार्ड घोटाले से बढ़ा खतरा

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 026 | गाजियाबाद, बुधवार 12 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Paytm
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में करीब 69 प्रतिशत मतदान

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लगभग तीन करोड़ 70 लाख मतदाताओं में से करीब 69 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए 1,302 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद कर दिया।

राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 122 सीटों पर करीब 69 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

आज के मतदान में जिन दिग्गजों की किस्मत का फैसला मतदाताओं ने ईवीएम में बंद किया, उनमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, बिजेन्द्र प्रसाद यादव,डा. प्रेम कुमार, नीरज कुमार सिंह, श्रीमती लेशी सिंह,नीतीश मिश्रा, सुनील कुमार पिंटू,सुमित कुमार सिंह, जयंत राज, विजय कुमार मंडल,मोहम्मद जमा खान,प्रमोद कुमार, कृष्ण नंदन पासवान,कृष्ण कुमार ऋषि,शीला मंडल, महाबली सिंह, दुलालचंद गोस्वामी,श्रेयसी सिंह, राजू तिवारी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता, अनिल कुमार, हिदुश्तानी आवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी की बहू दीपा कुमारी और समधन ज्योति देवी समेत के अन्य महत्वपूर्ण नाम शामिल हैं।

इसी तरह महागठबंधन से जिन दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला मतदाताओं ने किया, उनमें पूर्व विधान सभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री जय प्रकाश नारायण यादव , पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, अब्दुल जलील मश्तान,बीमा भारती, कौशल यादव, पूर्णिमा यादव,राजेश राम, अजीत शर्मा, समेत अन्य शामिल हैं। इन सबके साथ ही ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल ईमान भी दूसरे दौर के चुनावी अखाड़े में जोर आजमाइश के लिए उतरे थे।

दूसरे चरण के चुनाव में राजग के घटक भाजपा के 53, जदयू के 44, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 15,राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के 04 प्रत्याशी और हिंदुश्तानी आवाम मोर्चा (हम) के छह प्रत्याशी अखाड़े में उतरे थे। वहीं महागठबंधन के घटक राजद के 71, कांग्रेस के 37, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सात,भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सर्ववादी लेनिनवादी (भाकपा माले) के 06, भारतीय कम्युनिट पार्टी (भाकपा) के चार और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का एक उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। मोहिनियां सुरक्षित सीट पर राजद ने श्वेता सुमन को चुनावी दंगल में उतारा था, लेकिन उनका नामांकन रद्द हो गया।

राजद ने यहां निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व सासंद छेदी पासवान के पुत्र रवि शंकर पासवान को समर्थन दिया था। वहीं सुगौली सीट पर मुकेश सहनी की पार्टी विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के उम्मीदवार शशि भूषण सिंह का नामांकन रद्द हो गया था। वीआईपी ने यहां राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेज प्रताप यादव की पार्टी जन शक्ति जनता दल के उम्मीदवार श्याम किशोर भारती को समर्थन दिया था। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने 120 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे थे।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 121 सीटों पर प्रथम चरण के तहत 06 नवंबर को चुनाव संपन्न हुआ था। पहले चरण के मतदान में मतदाताओं ने 65.08 प्रतिशत मतदान दर्ज कर राज्य के चुनावी इतिहास में एक नया कीर्तिमान बनाया था।दूसरे चरण का मतदान आज शाम छह बजे संपन्न हो गया। 14 नवंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किये जायेंगे।

तकनीक ने जंग की परिभाषा बदली : सीडीएस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि युद्ध अब तेजी से बदल रही तकनीक के कारण बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। यह कहना सही होगा कि तकनीक ने जंग की परिभाषा बदल दी है।

उन्होंने कहा, युद्ध में कोई 'रनर-अप' नहीं होता, न कोई रजत पदक या सांत्वना पुरस्कार। युद्ध में दांव हमेशा ऊंचे होते हैं। यह राष्ट्रों के अशितत्व का सवाल होता है।

मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (एमपी-आईडीएसए) में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीएस चौहान ने ये बात कही। उन्होंने कहा, युद्ध जीतना हमेशा बेहतर रणनीति पर निर्भर करता है। अब युद्ध की दिशा भूगोल से ज्यादा तकनीक तय कर रही है।

जहां पहले कमांडर भूगोल का लाभ उठाते थे, अब तकनीक ने युद्ध के परिणामों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष भी अब सिर्फ सहायक क्षेत्र नहीं, बल्कि निर्णायक युद्धक्षेत्र बन चुका है, जो भविष्य के युद्धों की दिशा तय करेगा।

तीसरी सैन्य क्रांति का अनुभव कर रही दुनिया सीडीएस ने कहा, दुनिया इस समय 'तीसरी सैन्य क्रांति' का अनुभव कर रही है, जिसे उन्होंने 'कन्वर्जेंस वॉरफेयर' के रूप में परिभाषित किया। कन्वर्जेंस वॉरफेयर एक नई तरह की युद्ध अवधारणा है, जो पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी युद्धों के मिलन को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि आज के युद्धक्षेत्र में सेंसरों की संख्या इतनी अधिक है कि कमांडर को युद्ध का पूरा दृश्य लगभग पारदर्शी रूप में दिखता है, जिससे निर्णय लेने की गति और सटीकता बढ़ी है।

जनरल चौहान ने यह भी कहा कि शहरी इलाकों में युद्ध सबसे जटिल होता है, क्योंकि वहां नागरिकों की मौजूदगी से रणनीति और कठिन हो जाती है।

भविष्य में मशीन बनाम मशीन युद्ध होंगे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर बोलते हुए जनरल चौहान ने कहा, अब मानव मशितष्क की शक्ति को एआई के जरिए बढ़ाया जा रहा है, जिससे निर्णय दुश्मन की प्रतिक्रिया से पहले लिए जा सकें। भविष्य में युद्ध 'मशीन बनाम मशीन' के बीच भी हो सकते हैं।

एसआईआर के खिलाफ याचिकाओं पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली द्रमुक, माकपा, कांग्रेस और टीएमसी नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग (ईसी) से मंगलवार को अलग-अलग जवाब देने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग से नई याचिकाओं पर दो सप्ताह में जवाब देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची की एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हर प्रकार की कार्यवाही स्थगित रखने का भी निर्देश दिया। उसने तमिलनाडु में इस प्रक्रिया का समर्थन करने वाली ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की दायर हश्तक्षेप याचिका सूचीबद्ध करने की भी अनुमति दी।

हरियाणा ने पूर्व अग्निवीरों को सीधी भर्ती में आयु सीमा में छूट दी

✷ वेबवार्ता. चंडीगढ1 ✷। हरियाणा सरकार ने राज्य के मूल निवासियों में शामिल पूर्व अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में सीधी भर्ती के दौरान अधिकतम आयु सीमा में छूट देने का फैसला किया है। मुख्य सचिव अनुराग रश्तोगी ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। सरकार के अनुसार, पूर्व अग्निवीरों को ग्रुप-बी और ग्रुप-सी पदों पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। इसके अलावा, पहले बैच के पूर्व अग्निवीरों को पांच वर्ष तक की अतिरिक्त छूट का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार ने सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और फील्ड कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

महाराष्ट्र : महा विकास अघाड़ी मिलकर लड़ेगी स्थानीय निकाय

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भी कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) का गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) जारी रहेगा। गठबंधन ने सोमवार को तस्वीर साफ करते हुए स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों के लिए एक राज्य श्तरीय समन्वय समिति के गठन की घोषणा की। गठबंधन दलों ने यह भी साफ किया कि राज ठाकरे के पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के एमवीए में शामिल होने का कोई प्रश्तव प्राप्त है।

बिरला ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी

✷ वेबवार्ता. कोहिमा ✷। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कोहिमा युद्ध स्मारक को साहस, बलिदान और प्रेरणा का प्रतीक बताया। नागालैंड सरकार द्वारा आयोजित द्वितीय विश्व युद्ध स्मृति दिवस पर बोलते हुए बिरला ने कहा कि यह दिन भावना और स्मरण का दिन है, जो राष्ट्र की रक्षा करने वाले वीर योद्धाओं को सम्मानित करता है। उन्होंने कहा कि इसी धरती पर हमारे सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इस राष्ट्र की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी और अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे बहादुर सैनिकों ने हमारे कल के लिए अपना आज बलिदान कर दिया। यह दिन न केवल स्मरण का, बल्कि प्रेरणा का भी दिन है।

पश्चिम बंगाल : दस्तावेजों में गलत नाम से परेशान हो आत्महत्या की

✷ वेबवार्ता. कोलकाता ✷। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले में मंगलवार को एक 65 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिवार का दावा है कि वह आधिकारिक दश्तावेजों में अपने उपनाम में गड़बड़ी को लेकर कई दिनों से चिंतित था। पुलिस ने बताया कि मतदाता पहचान पत्र में मृतक का नाम उस्मान मोल्ला लिखा था।

लाल किला विस्फोट की साजिश रचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : मोदी

✷ वेबवार्ता. थिंपू (भूटान) ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार देर शाम हुए विस्फोट की साजिश रचने वाले और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर आये श्री मोदी ने ग्लोबल पीस फेस्टिवल में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा कि इस भयानक विस्फोट की साजिश रचने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज मैं बहुत भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में जो भयानक घटना हुई, उससे सभी बहुत दुखी हैं। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूँ।

आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रात भर इस घटना की जांच कर रही सभी एजेंसियों के संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस साज़िश की तह तक जाएंगी।

इसके पीछे जो भी साज़िश करने वाले हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। जो भी इसके लिए ज़िम्मेदार हैं, उन सभी को सज़ा मिलेगी।'

उल्लेखनीय है कि सोमवार शाम लाल किले के करीब एक कार में हुए इस विस्फोट में नौ लोग मारे गए और करीब 20 घायल हुए हैं ।

बिहार चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन सुधरने की उम्मीद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों का भविष्य ईवीएम में कैद हो चुका है। उम्मीदवारों की हार जीत का फैसला चौदह नवंबर को मतगणना के वक्त होगा। पर राजनीतिक दलों ने हार जीत का आंकलन शुरू कर दिया है। महागठबंधन को जहां बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं कांग्रेस को भी सीट बढ़ने का भरोसा है। कांग्रेस रणनीतिकार मानते हैं पार्टी का प्रदर्शन पिछले चुनावों के मुकाबले बेहतर रहेगा। पर पार्टी जीत के आंकड़ों को लेकर कोई दावा करने से बच रही है। क्योंकि, पार्टी के सामने सीटों की गिनती से ज्यादा साख बचाने की चुनौती है। यही वजह है कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी है। बिहार में कांग्रेस ने इस बार पिछले चुनाव के मुकाबले 9 सीट कम यानि 61 सीट पर चुनाव लड़ा है। इनमें से नौ सीट पर पार्टी महागठबंधन के घटकदलों के साथ फ्रेंडली फाइट है।

लोगों में डर, धमाके को लेकर सही जानकारी दे सरकार : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र सरकार से लाल किले के पास हुए धमाके पर स्पष्ट जानकारी देने की मांग की। पार्टी ने कहा कि इस गंभीर घटना को लेकर लोगों में डर और चिंता का माहौल है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस बयान नहीं आया है।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, इस घटना को कई घंटे बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक यह साफ नहीं है कि यह किस तरह का हमला था। न सरकार, न गृह मंत्रालय और न ही दिल्ली पुलिस की तरफ से कोई स्पष्टता है। अब भी इसे सिर्फ धमाका कहा जा रहा है। खेड़ा ने कहा, देश की राजधानी में ऐसा होना लोगों के लिए चिंता का विषय है। सरकार को सामने आकर जवाब देना चाहिए।

ऐसे गंभीर मामलों में केवल सूत्र आधारित जानकारी देना उचित नहीं है। गृह मंत्री, गृह सचिव या दिल्ली पुलिस आयुक्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। थोड़ा इंतजार कर लेते हैं, फिर देखेंगे : खरगे दिल्ली में हुए धमाके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि वे इस पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। मीडिया से बातचीत में खरगे ने कहा, मैं पहले ही इस पर प्रतिक्रिया दे चुका हूं। वही बात दोहराना नहीं चाहता। थोड़ा इंतजार कर लेते हैं, फिर देखेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने शाह से जानकारी ली : अंगोला में मौजूद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मंगलवार को फोन पर बात की और दिल्ली में हुए धमाके के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रपति ने इस घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। राष्ट्रपति इस समय अंगोला और बोत्सवाना की राजकीय यात्रा पर हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी : सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में हुए धमाके के पीड़ितों को मंगलवार को श्रद्धांजलि देते हुए कानून का शासन कायम रखने तथा न्याय सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने वरिष्ठ अधिवक्ता शरत एस जावली और जगदीश चंद्र गुप्ता को श्रद्धांजलि देने के लिए बुलाई गई पूर्ण न्यायालय की बैठक को संबोधित करते समय धमाके का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट और देश की संपूर्ण न्यायिक एवं कानूनी बिरादरी की ओर से मैं उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। कोई भी शब्द इस क्षति से हुई पीड़ा को कम नहीं कर सकता।

लाल किला विस्फोट : फोरेंसिक जांच के निष्कर्ष से तय होगी जांच की दिशा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सोमवार शाम लाल किला के पास हुए विस्फोट की शुरुआती फॉरेंसिक जांच और जांच एजेंसियों की जानकारी के आधार पर दो मुख्य संभावनाओं आरडीएक्स और अमोनियम नाइट्रेट पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

हालांकि ज्यादा संभावना अमोनियम नाइट्रेट के इश्तेमाल की है। एजेंसियां इस एंगल के ज्यादा करीब हैं। सूत्रों ने कहा शुरुआती जाँच में अमोनियम नाइट्रेट की संभावना जताई जा रही है। हालांकि एनआईए से जुड़े पूर्व अधिकारियों का कहना है कि आरडीएक्स और अमोनियम नाइट्रेट दोनों पदार्थों के इश्तेमाल और छोड़े जाने वाले निशान अलग होते हैं। इसलिए फॉरेंसिक सबूत ही तय करेंगे कि इस हमले में किस प्रकार का पदार्थ इश्तेमाल हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि फॉरेंसिक और सीन-ऑफ-इंसिडेंट के विश्लेषण से ही स्पष्टता आएगी। आरडीएक्स प्लास्टिक/मिलिट्री-ग्रेड हाई-एक्टिव विस्फोटक माना जाता है। यह प्रति किलो यह अधिक ऊर्जा पैदा करता है और स्थानीय तौर पर तेज शॉकवेव और कटिंग प्रभाव देता है। जबकि अमोनियम नाइट्रेट (जो एक सामान्य उर्वरक है) अपने आप में अपेक्षाकृत स्थिर होता है, लेकिन ईंधन के साथ मिलकर (एएनएफओ आदि) भारी

मात्रा में विनाश कर सकता है। इसी कारण बड़े पैमाने पर अमोनियम-नाइट्रेट मिश्रण भी घनी आबादी में बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। पिछली कुछ घटनाओं में कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट के निशान मिले हैं। इसलिए जांच टीम यह देखेगी कि क्या लाल किला केस में भी किसी तरह का फर्टिलाइज़र आधारित मिश्रण इश्तेमाल हुआ। ऐसे मैटेरियल के ठोस फॉरेंसिक निशान मिट्टी, वाहन के टुकड़ों और रेसिड्यू सैंपलों में मिलते हैं।

जांच टीम के सामने चुनौतियां: विस्फोट के पैटर्न, फ्रैगमेंटेशन और क्रेटर प्रोफ़ाइल से अलग-अलग मटेरियल के संकेत मिलते हैं। इन्हें ठीक तरह से पढ़ना होगा।

मलबे में नाइट्रामाइन जैसे रेसिड्यू आरडीएक्स की ओर इशारा करते हैं, जबकि नाइट्रेट/फ्यूल के निशान एएनएफओ या उर्वरक-आधारित चार्ज की ओर इशारा करते हैं, इन्हें अलग करना जरूरी है। सूत्रों ने कहा, आपूर्ति चैन, वाहन की ओनरशिप और पिछली खरीद/तस्करी के रिकॉर्ड की पड़ताल भी जरूरी होगी।

फरीदाबाद से बरामद बारूद के संबंध में जानकारों का कहना है कि अमोनियम नाइट्रेट जैसी सामग्री का मिलना चिंता की बात है। अमोनियम नाइट्रेट की बड़ी मात्रा और थोड़ी मात्रा में आरडीएक्स का मिश्रण भी बहुत बड़ा ब्लास्ट कर सकता है।

फॉरेंसिक विशेषज्ञ रासायनिक सैंपल और मलबे के विश्लेषण से तय करेंगे कि किस तरह का विस्फोटक प्रयोग हुआ। यही निष्कर्ष आगे की जांच-दिशा, स्रोत-ट्रेसिंग और कानूनी कार्रवाई तय करेगा। लाल किला विस्फोट की फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि घटना में किस तरह का बारूद इश्तेमाल हुआ। जांच एजेसियां सभी पहलुओं को खंगाल रही हैं।

जल संरक्षण परियोजनाओं में तेलंगाना अव्वल

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य के लिए मंगलवार को पुरस्कारों की घोषणा की गई। सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी में तेलंगाना सबसे ऊपर है। इसके बाद छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर और राजस्थान तीसरे स्थान पर है। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने 'जल शक्ति अभियान : कैच द रेन' के तहत दिए जा रहे इस वर्ष के पुरस्कारों की घोषणा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 18 नवंबर को छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में यह पुरस्कार प्रदान करेंगी।

पाटिल ने बताया कि तेलंगाना 5.2 लाख जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ ने 4.05 लाख पूर्ण परियोजनाओं के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि राजस्थान 3.64 लाख संरचनाओं के साथ तीसरे स्थान पर रहा। जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) 1.0 पहल की शुरुआत सितंबर 2024 में सूरत में की गई थी। पहल के तहत राज्यों को पांच क्षेत्रों में विभाजित कर कृत्रिम रिचार्ज और जल भंडारण संरचनाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

सुल्तानपुर के रामचेत मोची का निधन, राहुल गांधी करा रहे थे इलाज, फोन पर की थी बात

सुल्तानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के रामचेत मोची का निधन हो गया है। करीब सवा साल पहले रामचेत अचानक तब चर्चा में आ गए थे जब उनकी मुलाकात कांग्रेस नेता राहुल गांधी से हो गई थी। पिछले दिनों गले के कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने के बाद बेड पर थे। राहुल गांधी ने उनका इलाज प्रयागराज कैंसर हॉस्पिटल में करवा रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फोन पर बात कर हर संभव मदद का आश्वासन भी उन्होंने दिया था। सुल्तानपुर विधानसभा क्षेत्र के गुप्तारगंज निवासी रामचेत मोची का मंगलवार को निधन हो गया। रामचेत मोची काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका उपचार चल रहा था। रामचेत मोची के निधन की सूचना मिलते ही कांग्रेस जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, कांग्रेस शहर अध्यक्ष शकील अंसारी समेत कई नेता मंगलवार की सुबह उनके घर पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए पीड़ित परिवार को ढाढस बंधाते सांत्वना दी। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने बताया कि रामचेत मोची के निधन की सूचना कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को दी गई है। उन्होंने बताया कि रामचेत के निधन के बाद उनके घर पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी आ सकते हैं। बताते चलें कि इसी साल राहुल गांधी राम चेत के घर गए थे। उन्हें जूता बनाने और सिलाई करने की आधुनिक मशीन भेजवाए थे। राहुल गांधी 26 जुलाई 2024 को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होते हुए लखनऊ लौटते समय रामचेत के यहां रुके थे। उन्होंने रामचेत से उनकी जीविका और परिवार के बारे में बात की थी। उन्होंने खुद एक चप्पल और जूते की सिलाई भी कराई थी। इस मुलाकात के कुछ दिनों बाद राहुल गांधी की ओर से उनके प्रतिनिधियों ने रामचेत को सिलाई मशीन उपलब्ध कराई थी। सिलाई मशीन मिलने के बाद रामचेत का कारोबार बढ़ने लगा था।

ऑपरेशन सिंदूर का बदला लेना चाहते थे आतंकी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम हुए धमाके ने पूरे देश को हिला दिया। इस विस्फोट में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद दिल्ली पुलिस, एनआईए और फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंच गईं और इलाके को सील कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस घटना को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा सरकार ने इस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है। जो भी इसके पीछे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इस देश में आतंक के समर्थकों के लिए कोई जगह नहीं है। मैं उन लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजन खोए हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' का बदला लेना चाहते थे आतंकी पूर्व बिहार मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने इस हमले को एक बड़ी साजिश बताया। गया में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा आतंकियों की नजर काफी समय से दिल्ली पर थी। आज वे अपने मकसद में कामयाब हो गए। यह हमला 'ऑपरेशन सिंदूर' का बदला लेने के लिए किया गया है।

जनगणना की तैयारी का पहला चरण शुरू, इन जिलों में हो रहा ट्रायल

सॉफ्टवेयर की परीक्षा

बेंगलुरु, एजेंसी।
देश में 14 साल बाद होने वाली जनगणना की तैयारी का पहला चरण सोमवार से शुरू हो गया है। यह चरण एक पूर्व-परीक्षण के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आगामी जनगणना के लिए विकसित डिजिटल सिस्टम की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन करना है। इस दौरान यह परखा जाएगा कि जनगणना के लिए तैयार किया गया सॉफ्टवेयर कैसे काम करता है और खामियां क्या हैं। यह परीक्षण 30 नवंबर तक चलेगा।

भारत में पिछली जनगणना 2011 में की गई थी। वर्ष 2021 में निर्धारित अगली जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण टल गई थी। अब जनगणना 2027 की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त ने 16 अक्टूबर को अधिसूचना जारी कर इस पूर्व-परीक्षण की घोषणा की थी।

इन क्षेत्रों का चयन इसलिए किया गया है ताकि डिजिटल जनगणना एप्लिकेशन को विविध परिस्थितियों- जैसे शहरी क्षेत्रों और सीमित मोबाइल नेटवर्क वाले ग्रामीण इलाकों में परखा जा सके।

ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, यह देश की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी। पारंपरिक कागजी फॉर्म की जगह अब एक मोबाइल एप्लिकेशन आधारित प्रणाली से आंकड़े जुटाए जाएंगे। जनगणना अधिकारियों के अनुसार, यह ट्रायल भारत की जनगणना प्रक्रिया में तकनीकी बदलाव की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

पूर्व-परीक्षण के दौरान गणनाकर्मी घर-घर जाकर नागरिकों की जानकारी एकत्र करेंगे। लगभग 30 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें घर का पता, मकान का नंबर, मकान की मंजिल, परिवार के मुखिया का नाम और लिंग, परिवार में रहने वाले लोगों की संख्या, पेयजल का मुख्य स्रोत, लाइट का साधन, शौचालय की सुविधा, खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाला ईंधन और खानपान की आदतें जैसी जानकारियाँ शामिल होंगी। इन दोनों चरणों का आयोजन 1 अप्रैल 2026 से 28 फरवरी 2027 के बीच किया जाएगा। वर्तमान पूर्व-परीक्षण इसी प्रक्रिया की दक्षता और व्यवहार्यता की जांच के लिए किया जा रहा है। पूर्व-परीक्षण के दौरान 1 नवंबर से 7 नवम्बर तक स्वयं गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। चयनित क्षेत्रों के निवासी इस अवधि में जनगणना पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी भर सकते थे। मैदानी अधिकारियों और गणनाकर्मियों के लिए 4 से 6 नवंबर तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सभी क्षेत्रीय टीमें एक समान मानक के अनुसार काम करें और डिजिटल प्रणाली का सही उपयोग कर सकें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस 20-दिवसीय परीक्षण के दौरान एकत्र किया गया डेटा केवल प्रणाली मूल्यांकन के लिए होगा।

दिल्ली धमाके के बाद भीड़भाड़ वाले इलाकों में सख्त चेकिंग

जयपुर, एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के पास खड़ी एक कार में हुए भीषण धमाके में 11 लोगों की मौत के बाद पूरे राजस्थान को सुरक्षा की दृष्टि से हाई अलर्ट पर रखा गया है। राज्य सरकार ने तुरंत प्रभाव से भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों–जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, प्रमुख बाजार, पर्यटन स्थल और धार्मिक स्थलों–पर सुरक्षा व्यवस्था को बहु-स्तरीय रूप से बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं। एजेंसियां अलर्ट मोड पर, सघन चेकिंग शुरू जयपुर रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीमें यात्रियों और उनके सामान की गहन जांच कर रही हैं। पार्किंग क्षेत्रों और प्लेटफॉर्म्स पर भी सघन तलाशी अभियान जारी है।

एटीएस के आईजी विकास कुमार ने बताया कि दिल्ली धमाके के बाद राजस्थान में हाई अलर्ट लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ÷सभी एजेंसियां अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूरी सक्रियता से लगी हुई हैं। पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, एयरपोर्ट, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।÷

कमांड सेंटर और कंट्रोल रूम की मॉनिटरिंग तेज

राज्य के सभी पुलिस कंट्रोल रूम और अभय कमांड सेंटरों में तैनात टीमें लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम या एटीएस को देने की अपील की गई है। उधर, डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पूरे राज्य में अधिकारियों और पुलिस जवानों की छुट्टियां निरस्त कर दी हैं।

दो लोगों की गिरफ्तारी के साथ सीमा पार हथियार तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसने दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ सीमा पार हथियार तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोरी और विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की के रूप में हुई है। फिरोजपुर पुलिस ने आरोपियों से छह ग्लॉक 9एमएम पिस्तौल, चार मैगजीन और चार कारतूस बरामद किए हैं।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी विक्रमजीत सिंह के अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल पाकिस्तान के एक तस्कर के साथ सीधे संबंध थे। डीजीपी ने बताया कि उसने अपने पाकिस्तानी आकाओं के निर्देश पर स्थानीय लोगों को हथियार आपूर्ति करने की बात भी कबूल की है।

हम दिल से भारतीय, बेटे को रिहा करो!

गिरफ्तार डॉक्टर शकील की मां-भाई का दावा

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में कथित आतंकी मॉड्यूल चलाने के आरोप में डॉ. मुज़म्मिल शकील की गिरफ्तारी और 360 किलो विस्फोटक बरामदगी के बाद, उनके परिवार ने आरोपों का खंडन किया है। मां नसीमा और भाई ने दावा किया कि उन्हें शकील की गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं थी और वे दिल से भारतीय हैं, अपने बेटों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इस मामले में उनके दूसरे बेटे को भी गिरफ्तार किया गया है।

फरीदाबाद में कथित तौर पर आतंकी मॉड्यूल चलाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए कश्मीरी डॉक्टर की माँ ने कहा है कि उन्हें डॉक्टर की किसी भी गतिविधि की जानकारी नहीं थी। दिल्ली के लाल किला विस्फोट से फरीदाबाद मॉड्यूल के कथित

संबंध सामने आने के बाद, मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने डॉक्टर की रिहाई की माँग की। डॉ. मुज़म्मिल शकील को सोमवार सुबह फरीदाबाद के धौज गाँव में उनके किराए के घर से 360 किलो विस्फोटक सामग्री और गोला-बारूद बरामद होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी माँ नसीमा ने अब दावा किया है कि मुज़म्मिल बहुत पहले घर छोड़ चुका है। एएनआई से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि वह लगभग चार साल पहले घर छोड़ चुका था। वह दिल्ली में डॉक्टर के तौर पर काम कर रहा था। इस दौरान हमें उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जब उसे गिरफ्तार किया गया, तो हमें दूसरों से इसके बारे में पता चला। हमने उससे मिलने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने हमें मिलने नहीं दिया। मेरे दूसरे बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने आगे कहा, ÷वे कह रहे हैं कि मेरा बेटा दिल्ली विस्फोट का संदिग्ध है। मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता। मैं बस यही चाहती हूँ कि मेरे दोनों बेटों को रिहा कर दिया जाए। इस बीच, उनके भाई ने बताया कि हालाँकि शकील पर आतंकवाद के आरोप लगे हैं, लेकिन उनके परिवार का इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि वह आखिरी बार जून में हमारे पिता की सर्जरी के दौरान हमसे मिलने आए थे। हर कोई उन पर आतंकवादी होने का आरोप लगा रहा है, लेकिन हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। 50 सालों में हमारे परिवार पर एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है। उन्होंने आगे कहा, हम दिल से भारतीय हैं - हमने भारत के लिए पत्थरबाज़ी भी झेली है। वह एक अच्छे इंसान थे। वे हमें उनसे मिलने नहीं दे रहे हैं। मेरी बहन की शादी, जिसमें उन्हें शामिल होना था, अब रद्द कर दी गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि विस्फोटक डॉ. मुज़म्मिल शकील के घर से बरामद किए गए, जिन्होंने लगभग तीन महीने पहले धौज में यह घर किराए पर लिया था।

दिल्ली कार ब्लास्ट में अमरोहा के अशोक की मौत, घायलों में देवरिया का शिवा

अमरोहा/ देवरिया, एजेंसी। दिल्ली के लालकिले के पास हुए कार ब्लास्ट के बाद यूपी के अमरोहा में मातम पसर गया है। इसमें अमरोहा के मंगरोला गांव के रहने वाले अशोक गुज्जर (उम्र-34 वर्ष) की मौत हो है। अशोक दिल्ली की डीटीसी बस में संविदा कंडक्टर के रूप में कार्यरत थे। वहीं धमाके में यूपी के देवरिया का एक युवक घायल भी हुआ है। शिवा जायसवाल (उम्र-25 साल) देवरिया के भलुअनी कस्बे में रेडीमेड कपड़े की दुकान चलाता है। वह कपड़ों की खरीदारी करने दिल्ली गया था।

अमरोहा के अशोक अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दिल्ली में ही रह रहे थे। उनकी मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। उधर, हसनपुर का एक युवक भी लापता बताया जा रहा उसका मोबाइल फोन मिला है। अशोक के बारे में जानकारी मिलने के बाद से गांव में हर कोई सकते में है। परिवारीजन दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। कोतवाली पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। सोमवार शाम करीब सात बजे दिल्ली में लाल किले के पास कार में हुए ब्लास्ट में मंगरौला निवासी अशोक के जान गंवाने की सूचना रात करीब 10:30 बजे परिजनों को स्थानीय पुलिस के माध्यम से लगी। प्रभारी निरीक्षक अपराध अमरपाल सिंह ने गांव में जाकर इस बाबत सूचना दी तो हर कोई सकते में आ गए। बताया जा रहा है कि दो भाइयों में छोटा 34 वर्षीय अशोक कुमार पुत्र स्वर्गीय जगवंश

गुर्जर तीन साल पूर्व डीटीसी में संविदा परिचालक की नौकरी पर लगे थे। वह पत्नी सोनम और तीन बच्चों के साथ दिल्ली में ही किराए के मकान में रहते थे। वह घटना स्थल पर कैसे पहुंचे, इस संबंध में परिजनों को अभी कोई सूचना नहीं मिल सकी है। घटना के बाद से अशोक और उनकी पत्नी का मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा है।

संविदा पर डीटीसी बस में परिचालक की नौकरी करने वाला अशोक दिन में चांदनी चौक की एक कंपनी में गार्ड की नौकरी भी करते थे।

एमवीए में सब ठीक नहीं? कांग्रेस बोली- अकेले लड़ेंगे बीएमसी चुनाव

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी)चुनाव अकेले लड़ेगी। पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक दल के नेता के इस बयान से राज्य के विपक्षी महागठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के भविष्य पर संशय के बादल मंडराने लगे हैं। वडेट्टीवार ने कहा कि उनकी पार्टी ने चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब एमवीए के घटक दल उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना और राज ठाकरे की एमएनएस स्थानीय चुनावों के लिए गठबंधन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि मुंबई के पदाधिकारियों ने महानगर में निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने का फैसला किया है। विजय वडेट्टीवार ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी महानगरपालिका मुंबई है। हमारे नेताओं ने तय किया है कि बीएमसी में हम अकेले चुनाव लड़ेंगे। इसलिए ये सवाल ही नहीं उठता कि किसके लिए कितनी सीटें छोड़नी हैं।

कांग्रेस आलाकमान से चर्चा के बाद फैसला: वडेट्टीवार ने यह भी कहा कि कांग्रेस आलाकमान से चर्चा के बाद स्थानीय स्तर पर यह फैसला लिया गया है। वडेट्टीवार ने यह भी कहा कि

अगर नासिक में उनके सहयोगी मनसे के साथ गठबंधन करना चाहते हैं तो इसमें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए क्योंकि जिला इकाइयों को ÷स्थानीय स्थिति÷ के अनुसार निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है। हालांकि, एमएनएस पर उनका यह बयान महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल के बयान से मेल नहीं खाता, जिन्होंने कहा है कि राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ गठबंधन पर बैठक में शामिल होने के लिए नासिक में पार्टी पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। बुलढाणा में पत्रकारों से बात करते हुए सपकाल ने कहा, ÷राज्य इकाई ने किसी को भी मनसे के साथ बातचीत करने के लिए अधिकृत नहीं किया है।

अब कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिश, हिरासत में 1500 लोग

श्रीनगर, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास सोमवार शाम को एक कार में हुए जोरदार धमाके ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद देश के कई हिस्सों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। उधर, जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की साजिशों को नाकाम करने के लिए पुलिस ने बड़े स्तर पर छापेमारी की, जिसमें 1500 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

कश्मीर घाटी में आतंकियों के समर्थन तंत्र को ध्वस्त करने के लिए शुरू किया गया व्यापक अभियान सोमवार को तीसरे दिन में प्रवेश कर गया। अधिकारियों के अनुसार, इस दौरान अब तक 1500 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह कार्रवाई एक

प्रि-एम्पटिव स्ट्राइक यानी पूर्व-रोकथाम अभियान के तहत की जा रही है। यह कार्रवाई कुछ विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर शुरू हुई है। इसका उद्देश्य आतंकियों के संभावित पुनर्गठन को रोकना और उनके नेटवर्क को कमजोर करना है। बताया जा रहा है कि पुलिस को इस बात की आशंका थी कि आतंक समर्थक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं इसलिए इशारा मिलते ही कार्रवाई शुरू कर दी गई।

सूत्रों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य निशाना वे युवा हैं जिनके संबंध आतंकियों या उनके सहानुभूतियों से रहे हैं। साथ ही पाकिस्तान में बसे आतंकियों के परिजनों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक 1500 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए उठाया गया है। यह अभियान घाटी के सभी हिस्सों में एक साथ चलाया जा रहा है। मुख्य रूप से उन लोगों को निशाना बनाया गया है जिनका आतंकी बैकग्राउंड रहा है, पूर्व ओवर ग्राउंड वर्कर्स, आतंकवाद निरोधक कानून के तहत गिरफ्तार होकर जमानत पर बाहर आए लोग, और आतंकवाद से किसी भी प्रकार का संबंध रखने वाले लोग इसमें शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य आतंकियों और उनके समर्थकों को लगातार दबाव में रखना है ताकि वे किसी प्रकार की गतिविधि न कर सकें। उन्होंने कहा कि अतीत में भी यह तरीका प्रभावी साबित हुआ है। कुछ इनपुट मिले थे कि आतंकी शांति भंग करने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए उनके सपोर्ट नेटवर्क को खत्म करना जरूरी था। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध वस्तुओं, डिजिटल डिवाइस और ऐसे अन्य सामानों की जांच की गई जो आतंकियों को लॉजिस्टिक या अन्य सहायता देने में इस्तेमाल हो सकते थे। अनंतनाग पुलिस ने बताया कि सर्च अभियान शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हुआ और कोई भी अवैध या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई।

आर्किटेक्चर एजुकेशन फेस्ट छात्रों ने पहला स्थान पाया

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। दिल्ली में आयोजित आर्किटेक्चर एजुकेशन फेस्ट में एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों ने अपना परचम लहराया। यूनिवर्सिटी

के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर प्लानिंग एंड डिजाइन की टीम ने सर्वश्रेष्ठ डिस्प्ले और सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए पहला स्थान प्राप्त किया।

फेस्ट का आयोजन नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट ने किया। इसमें दिल्ली-एनसीआर के 20 आर्किटेक्चर संस्थानों ने प्रतिभाग किया। एसडीजीआई के छात्र विनायक, सुयोग्य, अक्षय, निशिकांत, किशन, हर्षिता और अनुशा ने अपने नवोन्मेषी डिजाइन को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करते हुए निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। छात्रों का मार्गदर्शन स्कूल की निदेशक प्रो. अंजलि कवात्रा, एसोसिएट प्रो. विजेंदर सागर, आर्किटेक्ट ईशा चाहर ने किया।

चोरी की बाइक के साथ युवक को दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर पुलिस ने बीती रात वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ एक चोर को धर दबोचा। पकड़ा गया बदमाश पूर्व में भी कई चोरियों में शामिल था। सीओ लिपि नगायच ने बताया बीती रात पुलिस चितोड़ा-कन्नौजा के निकट चेकिंग कर रही थी। इस दौरान टीम ने कन्नौजा की ओर से आ रहे बाइक सवार युवक को रुकने को बोला। इसपर बाइक सवार वापस जाने लगा। जिसके बाद पुलिस टीम ने पीछा कर युवक को पकड़ लिया। बाइक के कागज आदि की जांच में पता चला कि उस पर लगी नंबर प्लेट भी नकली है। आरोपी शादाब ने बाइक को नोएडा के भंगेल से चुराया था।

युवक पर हमला कर गोली मारने की धमकी दी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। वेव सिटी थानाक्षेत्र में तीन लोगों ने हमला कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमलावरों ने पीड़ित को गोली मारने की धमकी भी दी। पुलिस का कहना है कि शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। डासना की आकश विहार कॉलोनी में रहने वाले अबरार अहमद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि नौ नवंबर को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। कॉल करने वाले ने कुछ काम की बात करने के लिए उन्हें डासना से काजीपुरा रोड पर बुलाया। अबरार अहमद के अनुसार वह लगभग सवा आठ बजे अपनी बाइक से हाईटेक पब्लिक स्कूल के पास पहुंचे तो वहां तीन लोग पहले से खड़े थे। तीनों ने उन्हें रोका और कहा कि उन्होंने ही उन्हें फोन किया था। अबरार के मुताबिक वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही तीनों आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने उनके हाथ-पैर पर लात-घूंसों से वार किए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने घटना के बारे में किसी को बताने पर गोली मारने की धमकी दी।

रुपए दिए बिना सामान लेकर युवक फरार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर स्थित दिल्ली-मेरठ मार्ग पर गुर्जर मार्केट स्थित एक दुकान से रुपए दिए बिना ही बाइक सवार युवक लगभग 11 हजार रुपए का परचून का सामान लेकर फरार हो गया। बाइक नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। मोदी स्टील के सामने स्थित गुर्जर मार्केट में अंकित कुमार गर्ग की परचून की दुकान है। सोमवार को वे किसी काम से बाहर गए थे। दुकान पर उनकी पत्नी, बेटा एवं सहकर्मी था। इस दौरान बाइक सवार युवक दुकान पर आया और उसने करीब 11 हजार रुपए का सामान लिया। इसी बीच वे रुपये दिए बिना ही सामान लेकर फरार हो गया। जिसके बाद मामले की सूचना अंकित को दी गई।

कला प्रदर्शनी में कलाकारों ने प्रतिभा दिखाई

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन (आईफा) में कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान कई कलाकारों ने प्रतिभा दिखाकर लोगों का मन मोह लिया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मोदी पैकेजिंग इंडस्ट्रीज के अधिकारी सुरेश मीणा और प्रोफेसर डॉ अलका तिवारी ने किया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने कलाकृति को बारीकी से देखा और कलाकारों ने अपनी कलाकृति के बारे में जानकारी दी। कला प्रदर्शनी में वेस्ट मटेरियल से निर्मित आकर्षक स्कल्पचर प्रदर्शित किए गए थे थे। इस अवसर पर संस्थान के मैनेजर डॉ संघर्ष शर्मा, डॉ रुचि विद्यार्थी, प्रशासनिक अधिकारी भौतेंद्र कुमार, अमित कुमार बंसल, प्रीति शर्मा, प्रशांत झा, शीतल रानी, दीपांशु, रीता घोष, अंजलि रानी, स्वीटी आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

गाली-गलौज को लेकर विरोध करने पर युवक को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर स्थित कृष्णा कुंज के पास गाली-गलौज का विरोध करने पर युवक के साथ मारपीट कर दी गई, जिसमें युवक घायल हो गया। युवक द्वारा शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। खजान सिटी नंदनगरी कॉलोनी निवासी शिवम ने बताया कि वे कृष्णा कुंज कॉलोनी के पास ही फास्ट फूड की रेहड़ी लगाता है। सोमवार रात उसकी रेहड़ी पर तीन युवक आए और आपस में गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि शिवम ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। उसके शोर मचाने पर आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले में लवकुश, राकेश कुमार और त्रिलोक चंद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही।

12 नवंबर को सुबह 9 :00 से शाम 3 :00 तक विद्युत सप्लाई रहेगी बन्द

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। धामपुर-बगदाद अंसार के सभी सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है। बगदाद अंसार 33/11 के वि ०विद्युत उपकेन्द बगदाद अंसार पर लगे 5MVA 1/ F की तेल की सेन्ट्री फ्युजींग होनी है। जिसके कारण 1 2-11-2025 को प्रातः 9 बजे शाम 3 बजे तकविद्युत आपूर्तिबाधित रहेगी। उपकेंद्र बगदाद अंसार क्षेत्र से संबंधित सम्मानित उपभोक्ताओं अपने दैनिक कार्यों को समय से करने तथा आपसे विद्युत आपूर्ति पारित होने पर धैर्य एवं सहयोग की अपेक्षा की जाती ह आपको हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

छात्रों को करियर संबंधी मार्गदर्शन दिया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। विजयनगर स्थित रोजबेल पब्लिक स्कूल में कॉमर्स संकाय के विद्यार्थियों के लिए विशेष करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र करियर अडडा की ओर से संचालित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध करियर काउंसलर राकेश ठाकुर ने विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को कॉमर्स क्षेत्र से जुड़ी विविध करियर संभावनाओं मैनेजमेंट, फाइनेंस, मार्केटिंग, बिजनेस एनालिटिक्स, डिजिटल अकाउंटिंग, उद्यमिता तथा आने वाले समय के नए उभरते कोर्स के बारे में विश्तार से जानकारी दी। विद्यालय की ओर से डायरेक्टर यशमीत सिंह ने अतिथि वक्ता राकेश ठाकुर का स्वागत किया और उन्हें सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किया।

स्वास्थ्य केंद्र खुद बीमार- मरीज लौट रहे खाली हाथ

हफ्ते में सिर्फ तीन दिन डॉक्टर, दवा वितरण ठप - 150 मरीजों की ओपीडी में हाहाकार

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर के बाहरी क्षेत्र में स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र अब खुद बीमार पड़ गया है। जहाँ मरीजों को इलाज और राहत मिलनी चाहिए, वहीं अव्यवस्था और लापरवाही ने इस केंद्र को अस्वस्थ बना दिया है।

हर दिन करीब 130 से 150 मरीज इलाज के लिए पहुँचते हैं, लेकिन डॉक्टर सप्ताह में केवल तीन दिन ही ड्यूटी पर आते हैं। वहीं, फार्मासिस्ट के ट्रांसफर के कारण दवा वितरण पूरी तरह ठप है, जिससे मरीजों को बिना इलाज के खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

मरीजों की लगातार बढ़ती शिकायतों के बाद भाजपा नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी स्वयं स्वास्थ्य केंद्र पहुँचे और मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. कौशलेंद्र से फोन पर बात कर केंद्र की दुर्दशा पर नाराजगी जताई।

सीएमओ ने बताया कि डॉक्टर सप्ताह में तीन दिन सेवाएं देंगे और नए फार्मासिस्ट दीपक की तैनाती कर दी गई है, जो सात दिन में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

हालांकि, वार्ड बॉय की नियुक्ति को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। ग्रामीणों ने प्रशासन से डॉक्टर, फार्मासिस्ट और वार्ड बॉय की नियमित तैनाती की मांग की है, ताकि सरकारी स्वास्थ्य सेवाएँ फिर से पटरी पर लौट सकें।

भाजपा सरकार में बना यह स्वास्थ्य केंद्र झालू और आसपास के ग्रामीणों के लिए राहत का केंद्र माना गया था, लेकिन आज यह अपनी ही बदहाली पर आंसू बहा रहा है।

नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने बताया कि झज्जर बिल्डिंग की जर्जर स्थिति पर कई बार निरीक्षण कर रिपोर्ट भेजी जा चुकी है, लेकिन फाइल मुख्यालय श्तर पर ही अटकी हुई है।

उन्होंने कहा, "भाजपा सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दे रही है, मगर कुछ कर्मचारी सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं। अगर फाइल मुख्यालय से निकल जाती, तो कार्य आरंभ हो जाते।

अब इसमें दोष किसका है - यह बड़ा सवाल है।" भाजपा नेता चेयरमैन लोकेंद्र चौधरी ने कहा कि अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई,तो वे जनता के स्वास्थय से जुडी इस समस्या को हल कराने के लिए मुख्यमन्त्री योगी आदित्य नाथ से लखनऊ में मुलाकात करेगे। उनहोंने कहा कि जनता के स्वास्थय सेवाओं में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चेयरमैन ने कहा कि नगर व क्षेत्र की जनता ही उनका परिवार है।

सीओ ने किया कोतवाली देहात थाने का निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. कोतवाली देहात ✷

सीओ नगीना ने थाना परिसर का भ्रमण किया और पुलिसकर्मियों को शस्त्रों का

अभ्यास भी कराया।

निरीक्षण के दौरान सीओ ने थाना कार्यालय, हवालात, भोजनालय, बैरक, शस्त्रागार, महिला हेल्प डेस्क और साइबर हेल्प डेस्क का जायजा लिया। उन्होंने थाने की राजकीय संपत्ति और विभिन्न अभिलेखों की भी जांच की। सीओ ने अपराध रजिस्टर और त्योहार रजिस्टर जैसे महत्वपूर्ण दश्तावेजों का अवलोकन किया। उन्होंने सभी अभिलेखों को अद्यतन रखने और उनके उचित रखरखाव के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मालखाने में रखे शस्त्रों और दंगा नियंत्रण उपकरणों की साफ-सफाई व रखरखाव का भी जायजा लिया गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने थाने में दर्ज अपराधियों की सूची की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को शस्त्र परीक्षण और शस्त्राभ्यास कराया गया। इसमें इंसास राइफल और स्मॉल आर्म्स की हैंडलिंग का विशेष प्रशिक्षण शामिल था, जहाँ उन्हें शस्त्रों को खोलने और बंद करने का अभ्यास कराया गया।

इस पूरे निरीक्षण और प्रशिक्षण के बाद, संबंधित सभी पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

घर के बाहर सो रही रही महिला की गोली मारकर हत्या

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी थाना क्षेत्र की अशोक विहार कॉलोनी में सोमवार रात बदमाशों ने घर के बाहर गली में चारपाई पर सो रही महिला की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी। महिला को तीन गोलियां मारी गईं। शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अशोक विहार कॉलोनी की सानिया सिटी में 55 वर्षीय नसीम सोमवार रात घर के बाहर गली में चारपाई पर सो रही थी। परिवार में चार बेटे और चार बेटियां हैं। पुत्र गुफरान ने बताया कि चारों भाई मां और बहनों के साथ दो मकानों में रहते है। उसने बताया कि मां रोजाना की तरह घर के बाहर गली में चारपाई पर सोई हुई थी।

रात करीब दो बजे तेज आवाज से उनकी नींद खुली। मां दर्द से चीख रही थी। वह बाहर निकले तो मां चारपाई पर लहूलुहान हालत में पड़ी थी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी परिजन के साथ महिला को कार से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

जहां से दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान सुबह में मौत हो गई। गुफरान के मुताबिक मां को गर्दन, कंधे और पेट में तीन गोलियां मारी गई थीं। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पड़ोसी ने करीब दो बजे गोली मारने की सूचना दी थी।

पुत्र की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। परिवार ने किसी से रंजिश होने की बात से इंकार किया है। एसीपी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जल्द ही हत्याकांड का पर्दाफाश कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कृषि बीज भंडारका उप कृषि निदेशक व जिला कृषि अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. कोतवाली देहात ✷

विकासखंड कोतवाली के कृषि निवेश भंडार का डॉ घनश्याम वर्मा, उप कृषि निदेशक बिजनौर व जसवीर सिंह तेवतिया, जिला कृषि अधिकारी बिजनौर के द्वारा औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के समय बीज भंडार पर उपलब्ध बीज तथा सभी अभिलेख पूर्ण पाये गये। उपस्थित किसानों से वार्ता की गई कि बीज का मूल्य सही तथा गुणवत्तापूर्ण बीज प्राप्त हो रहा है। इस समय रबी सीजन में गेहूं की बुवाई के लिए गेहूं की उन्नतशील प्रजातियां DBW-303, 187, 370, 371, 372 उपलब्ध है।

क्षेत्र के किसान बंधु कृषि निवेश भंडार कोतवाली से 50% के अनुदान पर बीज खरीद कर समय से बुवाई कर सकते हैं।

निरीक्षण के समय मुकेश कुमार शर्मा व आदित्य कुमार गौतम, सहायक विकास अधिकारी कृषि /कृषि रक्षा, बीज भंडार प्रभारी मनोहर कुमार, कृषक में दयाराम व राजीव कुमार भारतीय किसान यूनियन के ब्लाक अध्यक्ष व आसपास के कई गांवों के किसान उपस्थित रहे।

दिल्ली धमाके के बाद सतर्क हुई सोसाइटी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली में लाल किला के पास हुए धमाके के बाद शहर की सोसाइटी में भी सतर्कता बढ़ गई गई। टाउनशिप की फेडरेशन और सोसाइटी की एओए ने एडवायजरी जारी की है। सभी सोसाइटी में आने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

सख्त जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। वहीं, हर व्यक्ति इस घटना की निंदा कर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है।

शहर की राजनगर एक्सटेशन, क्रॉसिंग रिपब्लिक, सिद्धार्थ विहार, गोविंदपुरम, ट्रांस हिंडन समेत ज्यादातर सोसाइटी की एओए लोगों से सावधानी बरतने की अपील कर रही हैं।

एओए पदाधिकारियों ने अपने श्तर से सतर्कता बढ़ाते हुए कोई भी अनजान वश्तु दिखने पर लोगों से सूचना देने को कहा है।

सोसाइटी के गेटों पर सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाते हुए किसी भी गाड़ी को बिना चेकिंग अंदर नहीं घुसने देने के निर्देश दिए हैं।

एओए की तरफ से कहा गया है कि सभी गाड़ियों की चेकिंग कर रजिस्टर में नंबर लिखे जाएं, गाड़ी में सवार लोगों से भी पूछताछ के बाद ही प्रवेश दिया जाए। साथ ही अगर कोई संदिग्ध वश्तु दिखे तो उसकी सूचना एओए पदाधिकारियों को दें।

फेडरेशन ऑफ क्रॉसिंग रिपब्लिक एओए के अध्यक्ष उज्ज्वल मिश्रा ने घटना की निंदा करते हुए बताया कि हर सोसाइटी पदाधिकारी को सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। लोगों की सुरक्षा ही प्राथमिकता है।

सुरक्षा गार्ड 24 घंटे तैनात रहें। एमसीसी सिग्नेचर हाइट्स के मोनू त्यागी ने बताया कि कल हुए ब्लास्ट को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सोसाइटी परिसर में प्रवेश और निकास पर सुरक्षा जांच को सख्त किया गया है।

सभी गेटों पर सुरक्षा कर्मियों को प्रत्येक व्यक्ति और वाहन की एंट्री ठीक से रजिस्टर में करने को कहा है।

साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। निवासियों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए नोटिस बोर्ड और ग्रुप मैसेज के माध्यम से जानकारी दी जा रही है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वश्तु की तुरंत सूचना सिक्योरिटी टीम या प्रबंधन को दें।

पार्किंग में लंबे समय से खड़ी गाड़ियों की भी होगी जांच : बहुत सारी सोसाइटी ऐसी हैं जहां लंबे समय से गाड़ियां खड़ी हुई हैं।

ऐसी गाड़ियों की भी सूची तैयार की जाएगी। खासकर ऐसे लोगों कि सूची तैयार होगी जो किरायेदार हैं और उनकी गाड़ी यहां खड़ी हुई हैं। ब्रेव हार्ट सोसाइटी के दीपांशु मित्तल ने कहा कि लोगों को ग्रुप पर मैसेज भेजकर तथा सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जागरूक किया जा रहा है।

लोग जता रहे दुख, कड़ी कार्रवाई की मांग : धमाके में मारे गए और घायल लोगों के लिए इंटरनेट मीडिया पर लोग दुख जता रहे हैं। हर व्यक्ति चाहता है कि इस घटना को अंजाम देने वालों को फांसी हो।

एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसाइटी की प्रिया लिखती हैं कि बेहद दुखद घटना है। जिनके लोग मरे उनके जख्मों को भरा नहीं जा सकता, लेकिन धमाका करने वालों को कड़ी सजा मिले।

गुलमोहर एंक्लेव की अनुजा बंसल ने भी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि देश के अति सुरक्षित इलाके में यह विस्फोट होना यह सोचने पर मजबूर कर रहा है कि आखिर चूक कहां हुई।

यदि यह कोई सोची समझी साजिश है तो देशवासियों के सामने आनी चाहिए और दोषियों को भी कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

पंचायत में बुलाकर चाचा-भतीजे के साथ मारपीट

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के मेहंदीपुर गांव में जमीन के विवाद को लेकर पंचायत में बुलाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने एक राय होकर परिवार के लोगों को बुरी तरह पीटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जेवर कोतवाली से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित पक्ष के मुद्दी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया।

मुद्दी ने पुलिस को बताया कि एक जमीन को लेकर उनका पड़ोसियों से विवाद चल रहा है। आरोप है कि आरोपी पक्ष के लोगों ने सोमवार को उन्हें इस विवाद को निपटाने के लिए एक पंचायत में बुलाया। पीड़ित मुद्दी और उनके चाचा माजुद्दीन पंचायत में पहुंचे तो आरोपी पक्ष ने लाठी-डंडे से उन्हें बुरी तरह पीटा। आरोप है कि परिवार के अन्य लोग बीचबचाव में आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष के दो लोगों को चोटें आईं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पक्ष के रहीमुद्दीन, सलमुउद्दीन, निजाम और बनिया उर्फ रहीमुद्दीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कार की टक्कर से बाइक टैक्सी चा1लक की मौत

एनसीआर टुडे. नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र में एसआरएस अस्पताल के निकट सोमवार शाम कार ने बाइक टैक्सी में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठी युवती घायल हो गई। मृतक के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के शाहीन बाग निवासी शान मोहम्मद ने पुलिस को बताया कि उसके पिता उस्मान खान सोमवार को रैपिडो बाइक से ग्रेटर नोएडा के एम ब्लॉक से सेक्टर-16बी स्थित पंचशील सोसाइटी जा रहे थे। बाइक की पिछली सीट पर पंचशील ग्रीन सोसाइटी निवासी निहारिका श्रीवाश्तव बैठी थीं। जैसे ही वह फेज-3 थाना क्षेत्र स्थित एसआरएम अस्पताल के पास पहुंचे तो एक कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

कार से टक्कर मारने का विरोध करने पर दो भाइयों को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

फेज-2 क्षेत्र स्थित ककराला गांव निवासी व्यक्ति ने गांव के कुछ लोगों पर सेक्टर-80 में थार से उनके दो भाइयों को टक्कर मारने और विरोध करने पर पीटने का आरोप लगाया है।

पीड़ित पक्ष ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इमरान ने पुलिस को बताया कि वह परिवार संग ककराला गांव में रहते हैं। वह अपने भाई खान मोहम्मद और आदिल के साथ कबाड़ का काम करते हैं। उनका गांव के कुछ लोगों से आपसी विवाद चल रहा है। आरोप है कि रविवार रात खान मोहम्मद और आदिल बाइक से गोदाम पर जा रहे थे। सेक्टर-80 में थार कार सवार सलमान ने पहले उनके भाइयों की बाइक में टक्कर मारी। इसका विरोध करने पर सलमान ने अपने भाई समशेर और अन्य को बुलाया। आरोपियों ने दोनों भाइयों को लाठी-डंडों से पीटा। हमले में खान मोहम्मद गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। जानकारी होने पर इमरान मौके पर पहुंचे।

जल निगम की लापरवाही से मंडी मोल गंज बाजार में भरा पानी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

शहर नगीना में जल निगम की टंकी मे नई लाइन लगी है। जो भी शहर के अंदर ज्यादातर टंकियां में टोटी नहीं लगी है। जब भी जल निगम टंकी का पानी शहर मे छोड़ता है तो सारा पानी खुली टोटियों में बहता है। जिससे सड़कों पर पानी भर रहा है जिससे यात्रियों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जब जल निगम ने पानी की टंकी से शहर में सप्लाई शुरू की तो मंडी मोलगंज में स्टेट बैंक के पास सब्जी मंडी के मेन बाजार में पानी की टोटिया खुली होने के करण सारा पानी बह रहा था और सड़कों पर आ गया। जिससे रहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस तरीके से हर रोज शहर के अंदर पानी भर जाता है लेकिन जल निगम इधर कोई ध्यान नहीं दे रहा है । बार बार शिकायत के बाद भी आज तक कोई कार्य वाही नही हुई ।

एमएमजी अस्पताल में मरीज के पेट से प्लास्टिक की बोतल निकाली

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

एमएमजी अस्पताल के डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर मरीज के पेट से आठ इंच लंबी प्लास्टिक की बोतल निकाली है। नंदग्राम निवासी 62 वर्षीय मरीज को पेट में दर्द हो रहा था। उन्होंने एमएमजी अस्पताल में फिजिशियन को दिखाया तो सर्जन के लिए रेफर कर दिया गया। सर्जन डॉ. मिलिंद गौतम को मरीज ने बताया कि एक दिन घर में अचानक नीचे बैठ गया।

उस समय लाइट नहीं आ रही थी। इससे प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल चली गई। इसके बाद डॉ. मिलिंद ने अल्ट्रासाउंड समेत कई जांच कराई। रिपोर्ट में पेट के अंदर ठोस वश्तु के फंसे होने के संकेत मिले। इसको देखते हुए मरीज को सोमवार को भर्ती कर लिया गया। मंगलवार को डॉ. वीके मिश्रा, डॉ. विवेक चौधरी, डॉ. इकरा, नर्सिंग स्टाफ कपिल के साथ सर्जन डा. मिलिंद गौतम ने ऑपरेशन कर बोतल निकाली दी। सीएमएस डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि ऐसी सर्जरी बेहद दुर्लभ होती है। बोतल के पेट में रहने से कई तरह की समस्या हो सकती थीं।

पश्चिम बंगाल से गांजा लाकर एनसीआर में खपाने वाले पांच गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

फेज-2 पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गांजा लाकर एनसीआर में तस्करी करने वाले गिरोह का मंगलवार को पर्दाफाश कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11 किलो गांजा बरामद किया।

सेंट्रल नोएडा जोन की एडीसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि फेज-2 थाना प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी की टीम पिछले कुछ दिनों से गांजा तस्करों को पकड़ने में जुटी थी। टीम ने सेक्टर-81 स्थित भूडा तिराहा के पास चेकिंग के दौरान पांच संदिग्धों को हिरासत में ले लिया।

उनकी निशानदेही पर 11 किलो गांजा और उसकी बिक्री से मिले 38 हजार रुपये बरामद किए। बरामद गांजे की कीमत बाजार में करीब एक लाख रुपये है। आरोपियों की पहचान जिला मैनपुरी के कुमरपुर गांव निवासी संतोष गुप्ता, जिला बुलंदशहर के जाहिदपुर कला गांव निवासी शौकीन, जिला बुलंदशहर के हरतौली गांव निवासी अफसर, दिल्ली के ताजपुर गांव निवासी सोनू और जिला बदायूं के सैफुल्लागंज निवासी मो. इरफान के रूप में हुई। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने गिरोह बना रखा है। वह पश्चिम बंगाल से सश्ते दामों पर गांजा खरीदकर लाते हैं। गांजा लाते समय किसी को उन पर संदेह न हो, इसलिए पीठ पर बैग में लादकर तस्करी करते हैं। इसके बाद एनसीआर में घूमकर लोगों को महंगे दाम पर गांजा बेचकर लाभ कमाते हैं।

पूछताछ में आरोपियों से पता चला कि वे पेशे से ऑटो चालक हैं। वे घूम घूमकर गांजे की तस्करी करते हैं। इसके अलावा पकड़े जाने के डर से आपस में व्हाट्सऐप कॉल पर बातचीत करते हैं, ताकि पुलिस इन्हें सर्विलांस की मदद से पकड़ न सके। जांच में पुलिस को पता चला कि 54 वर्षीय संतोष गुप्ता अशिक्षित है। वह वर्तमान में सेक्टर-4 स्थित एक कंपनी के सामने फुटपाथ पर रहता है। 34 वर्षीय शौकीन कक्षा पांच तक पढ़ा है और वर्तमान में दिल्ली के जैतपुर में रहता है। 30 वर्षीय सोनू अशिक्षित है और सेक्टर-142 क्षेत्र स्थित कच्ची कॉलोनी में रहता है।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	**32-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26** डी ई ई/जी–I/डी एल आई के क्षेत्र में स्थापित विद्युत परिसंपत्तियों की मरम्मत और रखरखाव (सेवा भवन और रेलवे क्वार्टर) के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रु.20870674.00
कार्यालय का पता	वरि. मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 254400.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	03.12.2025, 16:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	03.12.2025 16:00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

3493/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

देश के विकास में विज्ञान परिसंवाद की आवश्यकता

विज्ञान परिसंवाद से समाज के वैज्ञानिक साक्षरता बढ़ाने, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, विज्ञान और समाज के बीच संबंध स्थापित करने, और तकनीकी व आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए है। यह वैज्ञानिकों को अपने काम को बेहतर तरीके से समझाने, नवाचार को बढ़ावा देने, और वैज्ञानिक ज्ञान के माध्यम से जीवन श्तर को सुधारने में मदद करता है।

यह विज्ञान को व्यावहारिक समस्याओं को हल करने के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग करने में मदद करता है, जिससे जीवन श्तर में सुधार होता है। इसी को ध्यान में रखकर परिषद द्वारा विज्ञान वार्ता का सफल आयोजन से विज्ञान को सही तरीके से समझने में मदद मिलता है। हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा कई विज्ञान परिसंवाद कराये गए उसी क्रम में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा 18 अक्टूबर 25 को डॉ सुभाष दोन्दे, प्रोफेसर, जन्तु विभाग, कृति कॉलेज, दादर द्वारा डाइबीटीज (जो स्वास्थ्य से सम्बंधित है)पर 7 बजे शाम एक ऑनलाइन विज्ञान परिसंवाद /वार्ता की गई जो खास कर बुढ़ापे में बड़ी तेजी से आजकल आ रहा है।

विज्ञान के संयोजक परिषद के सदस्य श्री प्रकाश कश्यप थे शुरू में कश्यप जी ने अध्यक्ष के सम्बोधन हेतु आग्रह किया अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार वर्मा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में परिषद के नए कार्यकारिणी सदस्यों का परिचय व वार्ता हेतु शुभकामनाये प्रेषित की तत्पश्चात श्री प्रकाश कश्यप ने वार्ताकार डॉ सुभाष दोन्दे का परिचय कराया डॉ सुभाष दोन्दे एम.एससी. प्राणीशास्त्र, सी.एस.आई.आर. एन.ई.टी., पीएच.डी., पी.जी.डी.ई.एम., एल.एल.एम. आदि की डिग्री प्राप्त है जो क्रिति कॉलेज, दादर में प्रोफेसर हैं उनके कई शोध पत्र, राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हुए हैं व कई स्वास्थ्य सम्बन्धित वार्ता भी रेडियो व अन्य संस्थाणों में दी है उनका एक्सपीरियंस, एंजाइम विज्ञान, सतत विकास, जैव सांख्यिकी, इन्सुलिन व आहार आदि से सम्बंधित है।

उन्होंने सभी वक्ता को धन्यवाद देते हुए स्लाइड से पेपर प्रस्तुत किया उन्होंने अपने 1:30 घंटे के लेक्चर में बताया कि मधुमेह मेलिटस उन बीमारियों के समूह को संदर्भित करता है जो शरीर द्वारा रक्त शर्करा (ग्लूकोज) के उपयोग को प्रभावित करते हैं। ग्लूकोज मांसपेशियों और ऊतकों को बनाने वाली कोशिकाओं के लिए ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। यह मस्तिष्क के लिए ईंधन का मुख्य स्रोत भी है।

मधुमेह का मुख्य कारण प्रकार के अनुसार अलग-अलग होता है। लेकिन आपको चाहे किसी भी प्रकार का मधुमेह हो, यह रक्त में अतिरिक्त शर्करा का कारण बन सकता है। रक्त में अत्यधिक शर्करा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। इन सभी से सचेत रहने हेतु खानपान व जीवन शैली के बारे में रोचक वैज्ञानिक वार्ता दि कुछ श्रोता के प्रश्नों का बहुत अच्छे तरीके से जबाब दिया समय की कमी के कारण रात 9:30 बजे परिषद के उपाध्यक्ष श्री ब्रजेश कुमार सिन्हा ने अपने विचार प्रस्तुत किये तत्पश्चात सचिव श्री शेर सिंह मीणा ने वार्ता का सार प्रस्तुत किया अन्त में परिषद के सह कोषाध्यक्ष श्री डी एन मिश्र ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

उन्होंने उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद देकर और कार्यक्रम की सफलता में उनके योगदान के लिए अपना आभार व्यक्त किया व वार्ता कार, संयोजक व मुख्य अतिथियों को धन्यवाद दी, कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजक समिति, श्रोता और स्वयंसेवकों के अथक प्रयासों की सराहना की, अंत में, कार्यक्रम के सफल समापन की कामना करते हुए अपनी बात समाप्त की। इसके पहले वैज्ञानिक पत्रिका हिंदी विज्ञानं साहित्य परिषद की मुख्य पत्रिका का 57 वा अंक का ऑनलाइन प्रकाशित की गई वैज्ञानिक पत्रिका के जुलाई दिसंबर 25 अंक का अंक विज्ञान संचार के लिए दृढ़ संकल्पीत है और वैज्ञानिक ज्ञान से परिपूर्ण है।

वैज्ञानिक पत्रिका के मुख्य संपादक श्री ब्रजेश कुमार सिन्हा ने कार्यवाहक मुख्य संपादक के रूप में नियुक्त हुए जो पटना के रहने वाले एक वरिष्ठ इंजीनियर है जो एन आर बी, परमाणु ऊर्जा विभाग मुंबई में कार्यरत हैं उन्होंने भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई की है और मुंबई के अखिल भारतीय हिंदी विज्ञान संस्थान विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई में उपाध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई की राष्ट्रीय श्तर की पत्रिका वैज्ञानिक के मुख्य संपादक के रूप में अतिरिक्त भार ग्रहण करते हुए वैज्ञानिक के 2 अंक, जुलाई सितम्बर व अक्टूबर-दिसंबर 25 का सफलतापूर्ण संपादन किया इसके साथ ही मुंबई के श्री राज कुमार डाबरा, प्रसार व्यवस्थापक के रूप में पदभार ग्रहण किया जो परिषद के कोषाध्यक्ष भी है।

वैज्ञानिक का जुलाई दिसंबर 25 का सयुंक्त अंक देश के भारतीय वायुसेना के शौर्य व पराक्रम के ऊपर केंद्रित है और लेख में स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस को भी शामिल किया गया है देश की वायुसेना का स्थान आज पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर है। यह अंक भारत के वायु योद्धाओं के साहस और समर्पण का सम्मान करता है।

वायु सेना की क्षमताओं और ऐतिहासिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला अंक है इस अंक में अन्य वैज्ञानिक विषयो पर भी लेख है जिसमें पर्यावरण, कृषि वैज्ञानिकों के जीवन पर, डॉ कलाम साहब व विज्ञान प्रश्न मंच को भी छात्रों के लिए नियमित रूप से स्थान दिया गया है जिसमें लेखकीय अवदान मुख्य रूप से डॉ सरोज शुक्ला, डॉ संजय कुमार, डॉ. संजय रामण, डॉ मनीष मोहन गोरे, डॉ दया शंकर त्रिपाठी, बीएन मिश्र, श्री उत्तम सिंह गहरवार, डॉ मीनाक्षी पाठक, डॉ हेमलता पंत, डॉ ज्योति वर्मा, निधि गुप्ता, आदित्य शर्मा, दीपांशी मिश्रा एवं मनहर कृष्णा ओझा, डॉ दीपक कोहली व डॉ विजय लक्ष्मी गिरि, डॉ के विज्ञा मिश्रा न लेख हैं।

इस अंक को कई वैज्ञानिक, पूर्व आईपीएस अधिकारी पत्रिका के संपादक व अन्य पाठकों ने विज्ञान के लोकप्रियता हेतु एक सराहनीय कदम बताया है व बधाई व शुभकामनायें प्रेषित की है। इसके लिए संपादण मंडल के सदस्य सर्वश्रीराजेश कुमार मिश्र, के के राजेश, कुमार, शेर सिंह मीणा व डॉ संजय कुमार पाठक व व्यवस्थापक मंडल के सदस्यों में श्री नवीन त्रिपाठी, श्री बी एन मिश्र, श्री अनिल अहिरवार, श्री प्रकाश कश्यप व प्रसार व्यवस्थापक श्री राज कुमार डाबरा बधाई के पात्र हैं।

रोहिंग्या घुसपैठियों के आधार कार्ड घोटाले से बढ़ा खतरा

कांतिलाल मांडोत

अलीगढ़ जैसे संवेदनशील और शिक्षा के केंद्र माने जाने वाले शहर में हाल ही में जो खुलासा हुआ है कि रोहिंग्या घुसपैठियों ने जाली दस्तावेजों के जरिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, और यहां तक कि भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल कर लिए है। यह केवल एक स्थानीय घटना नहीं है। यह पूरे देश की आंतरिक सुरक्षा, जनसंख्या संतुलन, और सामाजिक ताने-बाने के लिए गंभीर चेतावनी है। यह मामला यह दिखाता है कि प्रशासनिक तंत्र, स्थानीय एजेंसियां और आधार सत्यापन व्यवस्था में बड़ी चूक हुई है।

इस घुसपैठ ने केवल पहचान के श्तर पर नहीं, बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और जनसंख्यिकीय दृष्टि से भी देश की सुरक्षा को प्रभावित किया है। सवाल यह है कि जब भारत के नागरिकों को कभी-कभी छोटे-से दश्तावेज के लिए महीनों चक्कर काटने पड़ते हैं, तो एक विदेशी, अवैध रूप से देश में घुसा व्यक्ति कैसे इतनी आसानी से वैध पहचान का पात्र बन जाता है?हमारी जांच एजेंसियां सतर्क है। इसके बाद रोजाना 50 आधार कार्ड बनाने का टारगेट कही न कही जनसंखिकी बढ़ाने का घिनोना कृत्य उजागर हुआ है। यह बहुत बडी कामयाबी है। अलीगढ़ के मामले में प्रशासनिक लापरवाही का एक उदाहरण है।

अलीगढ़ में हाल में कई रोहिंग्या नागरिकों के पास से भारतीय आधार कार्ड, राशन कार्ड, मोबाइल सिम और बैंक खाते मिलने की खबर ने सभी को चौंका दिया। जांच में पाया गया कि ये दश्तावेज स्थानीय एजेंटों और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से बने थे। इन विदेशी नागरिकों ने म्यांमार या बांग्लादेश से घुसपैठ कर पहले दिल्ली और फिर उत्तर प्रदेश के शहरों में डेरा डाल लिया। धीरे-धीरे उन्होंने स्थानीय मुस्लिम बश्तियों में घुलमिलकर जाली दश्तावेज बनवाए, ताकि वे भारत के स्थायी नागरिक के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर सकें। यह न केवल प्रशासन की नाकामी है बल्कि आधार प्रणाली की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाता है। आधार का उद्देश्य था हर नागरिक की डिजिटल पहचान, लेकिन जब यह पहचान घुसपैठियों के हाथों में हथियार बन जाए, तब यह व्यवस्था स्वयं खतरे में पड़ जाती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर

रोहिंग्या शरणार्थी केवल शरणार्थी नहीं है उनमें से कई के बारे में आतंकी संगठनों और कट्टरपंथी नेटवर्क से जुड़ाव की सूचनाएं पहले से कई राज्यों की खुफिया रिपोर्टों में आ चुकी हैं। ऐसे में यदि इन लोगों के पास वैध भारतीय पहचानपत्र हैं, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विस्फोटक स्थिति है। आतंकवादी संगठन अवैध फंडिंग और हवाला नेटवर्क को मजबूती दे सकते हैं। नकली मतदाता बनाकर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित किया जा सकता है। घुसपैठ कर रहे अन्य तत्वों को सुरक्षित आवास और पहचान मिल सकती है।

अलीगढ़ का यह मामला सीमांचल क्षेत्र कटिहार, किशनगंज, अररिया, पूर्णिया) से भी जुड़ता है, जहाँ पहले से ही रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा बन चुकी है। मोदी ने एक सभा मे कहा था कि घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा। घुसपैठ एक रास्ट्रीय समस्या है और भारतीय नागरिकों का हक मारने का काम करते है। जो राज्य और केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में सेंघ मारी जा रही है।

आधार के लिए पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को जवाबदेही सौंपीं गई है। उससे किसी प्रकार की धोखाधड़ी नही हो सके। लेकिन अलीगढ़ की घटना घृणित है। बिहार का सीमांचल क्षेत्र भारत-बांग्लादेश सीमा के समीप है और घुसपैठ का सबसे आसान राश्ता माना जाता है। इस इलाके में किशनगंज, अररिया, कटिहार, पूर्णिया जैसे जिले पहले से ही अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के बसेरों के रूप में पहचाने जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में यहां की जनसंख्या वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक रही है, और इसका कारण केवल प्राकृतिक वृद्धि नहीं, बल्कि घुसपैठ और स्थायी बसावट की प्रवृत्ति है। स्थानीय राजनीति में संरक्षण मिलता है।

राशन और पहचान पत्र आसानी से जारी हो जाते हैं, और धीरे-धीरे वे स्थानीय नागरिकों की नौकरियां, जमीनें और संसाधन हड़पने लगते हैं। यदि इस प्रक्रिया को रोका न गया, तो आने वाले दशक में यह जनसांख्यिकीय परिवर्तन

भारत की सीमाओं और आंतरिक नीति दोनों को अस्थिर कर सकता है। जनसंख्या असंतुलन सीमावर्ती और कुछ शहरी क्षेत्रों में घुसपैठियों की संख्या बढ़ने से स्थानीय जातीय और धार्मिक संतुलन बिगड़ रहा है। इससे सामाजिक तनाव और वोट बैंक की राजनीति को बल मिलता है। राष्ट्रीय संसाधनों पर बोझ है।

ये अवैध नागरिक सरकारी राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार योजनाओं का लाभ उठाते हैं, जिससे असली नागरिकों का हिस्सा कम होता है। आर्थिक अपराधों में वृद्धि हो रही है। जाली आधार और बैंक खातों के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला और आतंक फंडिंग जैसे अपराध पनप रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में ये अवैध वोटर बन चुके हैं, जिससे लोकतांत्रिक ढांचा विकृत हो रहा है।

स्थानीय लोगों में असंतोष, सांप्रदायिक तनाव और अपराध दर में वृद्धि जैसी स्थितियाँ देखी जा रही हैं। राष्ट्रीय श्तर पर ठोस नीति जरूरी है। डिजिटल सत्यापन को मजबूत करना होगा। आधार बनवाने के लिए केवल दश्तावेज नहीं, बल्कि बायोमेट्रिक और नागरिकता सत्यापन को दोहरी प्रक्रिया से जोड़ा जाए। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को केवल असम तक सीमित न रखकर संवेदनशील राज्यों और सीमांचल क्षेत्र तक लागू किया जाए। सीमा सुरक्षा को तकनीकी रूप से मजबूत बनाएं जाए। बांग्लादेश सीमा पर ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और स्मार्ट फेंसिंग सिस्टम लगाया जाए। अवैध नागरिकों की पहचान व निष्कासन की आवश्यकता है।

जो लोग आधार या अन्य दश्तावेजों के जरिए अवैध रूप से नागरिक बन गए हैं, उनका डेटा-आधारित पता लगाकर निर्वासन किया जाए। स्थानीय अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और गलती करने पर सजा का प्रावधान होना चाहिए। अलीगढ़ जैसे मामलों में संबंधित अधिकारियों और एजेंटों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। नागरिक जागरूकता अभियान चलाया जाना जरूरी है। जनता को यह समझाना जरूरी है कि किसी विदेशी को किराए पर घर देना या उसके दश्तावेज बनवाना देशद्रोह जैसा अपराध है। आधार प्रणाली में राष्ट्रीयता टैगिंग की सुविधा जरूरी। यूआईडीएआई को आधार कार्ड पर नागरिकता की स्थिति दर्शाने का विकल्प देना चाहिए। जैसे सिटिजन या रेजिडेंट, ताकि विदेशी पहचानें अलग हों। सीमांचल में जांच और निगरानी के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। सीमांचल नागरिक सत्यापन मिशन" शुरू किया जाए, जिसमें हर जिले में मतदाता सूची राशन कार्ड, स्कूल प्रवेश रिकॉर्ड, और आधार डेटा का मिलान कराया जाए। जिला श्तर पर संयुक्त टास्क फोर्स (एसपी, डीएम, बीएसएफ, यूआईडीएआई अधिकारी) बनाई जाए, जो हर संदेहास्पद परिवार की जांच करे। यदि किसी इलाके में असामान्य रूप से अधिक आधार या मोबाइल सिम सक्रिय हुए हैं, तो स्वचालित अलर्ट सिस्टम लगे।

एनजीओ और धार्मिक संस्थाओं की फंडिंग पर नजर जरूरी है। विदेशी फंडिंग के जरिये घुसपैठियों के हौसले बुलंद है। सीमांचल में कई संगठनसक्रिय है। "शरणार्थी सहायता" के नाम पर घुसपैठ को वैधता देने का काम कर रहे हैं; इन पर एफसीआरए और ईडी जांच की जरूरत है। ग्राम श्तर पर "जनसंख्या निगरानी समिति" बनाई जाए जो नए आने वाले परिवारों की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे।

राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नीति की आवश्यकताहै और राज्य के सभी दलों को सहयोग करना चाहिए। घुसपैठ का मुद्दा केवल किसी धर्म, जाति या दल का नहीं है। यह राष्ट्र की सुरक्षा और अशितत्व का विषय है। दुर्भाग्य से अब तक इस पर राजनीतिक मतभेदों ने कार्रवाई को कमजोर किया है। सभी दलों को यह समझना होगा कि रोहिंग्या या अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की बसावट केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि यह भविष्य में भारत के आंतरिक संघर्षों की नींव रख सकती है। यदि देश को एक सुरक्षित भविष्य चाहिए, तो राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, नागरिकता सत्यापन कानून, और डेटा सुरक्षा कानून को एकीकृत रूप से लागू करना होगा। अलीगढ़ में रोहिंग्या घुसपैठियों के आधार कार्ड बनने की घटना केवल एक प्रशासनिक गलती नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय चेतावनी का संकेत है। यदि अब भी सरकारें, एजेंसियां और नागरिक समाज सतर्क नहीं हुए, तो आने वाले वर्षों में भारत अवैध जनसंख्या दबाव, आर्थिक असमानता और सुरक्षा संकट से जूझेगा। समय आ गया है कि हम यह तय करें कि मानवता के नाम पर देश की सुरक्षा को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। शरण देना और शत्रु को पहचानना और दोनों में फर्क समझना ही आज भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसलिए जरूरी है किअलीगढ़ जैसे मामलों की व्यापक जांच, सीमांचल क्षेत्रों में सघन सत्यापन, और आधार प्रणाली की पुनः समीक्षा। यही भारत की आंतरिक सुरक्षा और पहचान की रक्षा का एकमात्र राश्ता है। लापरवाही नही होनी चाहिए।

दिल्ली धमाका : किसी बड़ी साजिश का संकेत

राजधानी की सुरक्षा पर गहरे सवाल, स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा आवश्यक

दिल्ली के रोहिणी सीआरपीएफ स्कूल में हुआ धमाका केवल एक हादसा नहीं बल्कि एक गहरी साजिश का संकेत है। यह घटना बताती है कि राजधानी जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगह भी आतंकी या असामाजिक तत्वों के निशाने पर है। बच्चों के बीच इस तरह की घटना असहनीय और भयावह है। सरकार को चाहिए कि जांच एजेंसियाँ तेजी से कार्रवाई करें और दोषियों को कड़ी सजा दें। साथ ही स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा हो ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियाँ दोहराई न जाएँ। नागरिक सुरक्षा ही राष्ट्र की वास्तविक ताकत है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

रविवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में स्थित सीआरपीएफ स्कूल के बाहर हुआ धमाका पूरे देश को हिला गया। यह केवल एक हादसा नहीं था, बल्कि संभवतः किसी बड़ी साजिश की कड़ी का संकेत है। देश की राजधानी में सुरक्षाबलों के स्कूल के पास इस तरह का विस्फोट होना न सिर्फ सुरक्षा एजेंसियों की चौकसी पर सवाल उठाता है, बल्कि इस बात की भी चेतावनी देता है कि आतंकी और विध्वंसकारी ताकतें अब भी सक्रिय हैं और अपने नापाक इरादों को अंजाम देने के मौके तलाश रही हैं।

यह धमाका रोहिणी सेक्टर-14 के सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल की दीवार के पास हुआ। स्थानीय लोगों ने सुबह करीब सात बजे के आसपास तेज धमाके की आवाज सुनी। धमाका इतना तेज था कि आसपास के मकानों और दुकानों के शीशे टूट गए, दीवार में छेद हो गया और क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। सौभाग्य से स्कूल बंद था, जिससे किसी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, यह बात राहत से ज्यादा चिंता का विषय है कि अगर यह घटना स्कूल खुलने के समय होती, तो बड़ी त्रासदी हो सकती थी।

दिल्ली पुलिस, एनआईए, एनएसजी और फॉरेंसिक टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच में सफेद पाउडर, तारों के टुकड़े और विस्फोटक पदार्थ के अंश मिले हैं, जिससे यह संभावना बलवती होती है कि धमाके में क्रूड बम या इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का इश्तेमाल किया गया।

जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं, जिसमें एक संदिग्ध युवक सफेद टी-शर्ट में क्षेत्र के आसपास घूमता दिखा। वहीं, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म टेलीग्राम पर एक चैनल ने इस धमाके की जिम्मेदारी लेने का दावा किया, जिसे बाद में खालिश्तानी समर्थक तत्वों से जोड़ा गया। हालांकि इस दावे की पुष्टि जांच एजेंसियों ने नहीं की है, परंतु इससे यह संकेत अवश्य मिलता है कि घटना के पीछे किसी संगठित नेटवर्क की भूमिका हो सकती है।

दिल्ली देश की राजधानी है-यहाँ संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के मुख्यालय स्थित हैं। ऐसे में इस तरह का विस्फोट होना गंभीर सुरक्षा चूक को दर्शाता है। यह तथ्य और भी चिंताजनक है कि धमाका सीआरपीएफ स्कूल के बाहर हुआ-यानी एक ऐसे संस्थान के पास, जो स्वयं देश की सबसे सशक्त अर्धसैनिक बल से जुड़ा हुआ है।

यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सुरक्षा बलों की चौकी के पास ऐसी घटना हो सकती है, तो आम नागरिक कितना सुरक्षित है? दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियों को अब केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं बल्कि प्रो-एक्टिव रणनीति अपनानी होगी-यानी घटना के बाद नहीं, बल्कि पहले से ऐसे संकेतों को पहचानना और निष्क्रिय करना होगा। ऐसी घटनाएँ केवल भौतिक क्षति नहीं करतीं, बल्कि समाज में भय और असुरक्षा का माहौल भी पैदा करती हैं। राजधानी में इस तरह का विस्फोट आम नागरिकों के मन में यह धारणा मजबूत करता है कि आतंकवादी ताकतें किसी भी समय, कहीं भी वार कर सकती हैं। स्कूल के बाहर हुआ धमाका बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों के मनोबल को प्रभावित करता है। बच्चे जिन स्कूलों में शिक्षा लेने जाते हैं, अगर वे स्थान भी असुरक्षित महसूस होने लगें, तो यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

ऐसी घटनाओं के बाद राजनीतिक दलों की बयानबाज़ी शुरू हो जाती है-कोई इसे कानून-व्यवस्था की नाकामी बताता है तो कोई राजनीतिक साजिश कहता है।

लेकिन सच्चाई यह है कि आतंकवाद और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियाँ किसी पार्टी या विचारधारा की नहीं होतीं, ये पूरी मानवता के खिलाफ होती हैं। इसलिए इस तरह के मामलों में राजनीतिक लाभ-हानि की सोच से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना समय की मांग है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जो केवल कागज़ी जांचों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी श्तर पर ठोस निवारक कदम सुनिश्चित करें।

आज आतंकवादी और असामाजिक तत्व पारंपरिक तरीकों से हटकर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, सोशल मीडिया और डार्क वेब का उपयोग कर रहे हैं। टेलीग्राम चैनल के माध्यम से जिम्मेदारी लेने की कोशिश इसी प्रवृत्ति का हिस्सा है-जिससे आतंक फैलाना, भ्रम पैदा करना और जांच को भटकाना आसान हो जाता है। इसलिए अब सुरक्षा एजेंसियों को साइबर इंटेलिजेंस पर उतना ही ध्यान देना होगा जितना फिजिकल सुरक्षा पर दिया जाता है। फर्जी संदेशों, हैकिंग नेटवर्क और डिजिटल फंडिंग की निगरानी जरूरी है। हर बार जब कोई ऐसी घटना होती है, तो हम यह सोचकर चुप हो जाते हैं कि सुरक्षा एजेंसियाँ सब संभाल लेंगी। लेकिन सच्चाई यह है कि आम नागरिक भी सुरक्षा तंत्र की पहली कड़ी हैं। संदिग्ध वश्तु, अनजान व्यक्ति या असामान्य गतिविधि पर नजर रखना और तत्काल पुलिस को सूचित करना-यह नागरिक कर्तव्य बनना चाहिए। सुरक्षा सिर्फ बंदूक और बुलेटप्रूफ जैकेट से नहीं आती, बल्कि सजग नागरिक चेतना से भी आती है।

भारत लंबे समय से सीमापार आतंकवाद का शिकार रहा है। कई बार राजधानी दिल्ली और अन्य महानगर आतंकी संगठनों के निशाने पर रहे हैं। रोहिणी विस्फोट जैसी घटनाएँ यह याद दिलाती हैं कि हमारे शत्रु तंत्र हर समय सक्रिय हैं और देश की स्थिरता को अस्थिर करने के प्रयास में हैं। ऐसे में भारत को अपनी आंतरिक सुरक्षा नीति को और सुदृढ़ करना होगा-विशेषकर शहरी क्षेत्रों की खुफिया निगरानी को तकनीकी रूप से उन्नत बनाना आवश्यक है। हर ऐसी घटना में निष्कर्ष आने में महीनों लग जाते हैं। जनता को समय-समय पर अपडेट देना जरूरी है ताकि अफवाहें न फैलें। सभी केंद्रीय और अर्धसैनिक संस्थानों के आसपास की सुरक्षा समीक्षा तत्काल की जानी चाहिए। सोशल मीडिया पर उग्रवादी संदेशों और चैनलों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। नागरिकों को सुरक्षा अभियान का भागीदार बनाना-स्कूलों और बाजारों में जागरूकता अभियान चलाना भी आवश्यक है। ऐसे मामलों पर सभी दलों को एक मंच से बयान देना चाहिए, ताकि दुश्मन यह न समझे कि देश अंदर से बँटा हुआ है।

दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में हुआ यह धमाका भले ही सौभाग्य से किसी बड़ी जनहानि का कारण नहीं बना, लेकिन यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आतंकवाद की चुनौती अब भी हमारे चारों ओर मौजूद है। यह केवल एक पुलिस केस नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और नागरिक जिम्मेदारी से जुड़ा मामला है। जरूरत इस बात की है कि हम घटना को महज़ "एक धमाका" न मानें, बल्कि इसे एक चेतावनी के रूप में लें-एक ऐसी चेतावनी जो बताती है कि लापरवाही की गुंजाइश अब नहीं बची।

राष्ट्र की सुरक्षा केवल सैनिकों के कंधों पर नहीं टिकी होती, बल्कि हर नागरिक की सजगता और एकता में निहित होती है। अगर हम सभी मिलकर सतर्क रहें, जागरूक रहें और एकजुट रहें-तो कोई भी साजिश हमें तोड़ नहीं सकती।

धर्मनिरपेक्ष भारत में आस्था पर पहरा : क्या धर्मांतरण विरोधी कानून आवश्यक हैं?

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों को सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के नाम पर लागू किया गया है, परंतु इनका वास्तविक प्रभाव नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर नियंत्रण के रूप में उभर रहा है। ये कानून न केवल धर्म परिवर्तन को प्रशासनिक अनुमति से जोड़ते हैं बल्कि अंतर्धार्मिक विवाहों और अल्पसंख्यक समुदायों पर भी प्रतिकूल असर डालते हैं। संविधान के अनुच्छेद 25 द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता की भावना इन कानूनों से आहत होती है। लोकतांत्रिक भारत के लिए आवश्यक है कि राज्य नागरिक की आस्था का संरक्षक बने, नियंत्रक नहीं। आस्था पर पहरा नहीं, सम्मान होना चाहिए।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत एक बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक और विविधताओं से भरा हुआ देश है, जिसकी पहचान उसकी धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता में निहित है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 तक नागरिकों को अपने धर्म को मानने, प्रचार करने और उसका पालन करने का मौलिक अधिकार प्रदान किया गया है। परंतु हाल के वर्षों में देश के अनेक राज्यों में बनाए गए "धर्मांतरण विरोधी कानून" ने इस संवैधानिक गारंटी को गंभीर प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया है।

इन कानूनों का उद्देश्य यह बताया जाता है कि वे बल, प्रलोभन या कपट से किए गए धर्मांतरणों को रोकने के लिए बनाए गए हैं, किंतु व्यवहार में इनका दायरा इतना व्यापक और अस्पष्ट है कि यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अंतर्धार्मिक विवाहों और अल्पसंख्यक समुदायों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से दमनकारी प्रभाव डालते हैं।

भारत में धर्मांतरण का प्रश्न स्वतंत्रता-पूर्व काल से ही विवादास्पद रहा है। अंग्रेज़ी शासनकाल में कई मिशनरियों द्वारा ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार को लेकर राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलीं। स्वतंत्रता के बाद 1954 में संसद में "धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक" प्रश्तुत किया गया था, किंतु वह पारित नहीं हो सका।

हालाँकि, कुछ राज्यों ने अपने-अपने श्तर पर ऐसे कानून बनाए-ओडिशा (1967) पहला राज्य था जिसने 'धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम' पारित किया। इसके बाद मध्यप्रदेश (1968), अरुणाचल प्रदेश (1978), छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी समान प्रकार के कानून बनाए। इन सभी अधिनियमों का मूल उद्देश्य "जबरन या धोखे से धर्मांतरण रोकना" बताया गया है, परंतु उनके प्रावधानों की व्याख्या के तरीके ने संविधान की मूल भावना पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25(1) प्रत्येक व्यक्ति को "धर्म की स्वतंत्रता" का अधिकार देता है। इसमें तीन मूल तत्व हैं-किसी धर्म को मानने की स्वतंत्रता, उसका पालन करने की स्वतंत्रता, और उसका प्रचार करने की स्वतंत्रता। यह अधिकार राज्य के सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है, परंतु इन सीमाओं का उद्देश्य व्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन करना नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता बनाए रखना है।

अनुच्छेद 14 समानता के अधिकार की गारंटी देता है, जबकि अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है। धर्मांतरण विरोधी कानून इन दोनों अधिकारों के साथ भी टकराते हैं क्योंकि ये नागरिकों के व्यक्तिगत निर्णय, आस्था और वैवाहिक चयन में राज्य के अनावश्यक हश्तक्षेप का मार्ग प्रशश्त करते हैं।

भारत की धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी देशों की तरह "राज्य और धर्म के पूर्ण पृथक्करण" पर आधारित नहीं है, बल्कि यह एक सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता है-जिसमें राज्य सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखता है और किसी के पक्ष या विपक्ष में नहीं जाता। परंतु धर्मांतरण विरोधी कानूनों के माध्यम से राज्य जब किसी धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तन करने की स्वतंत्रता पर शर्तें, अनुमति और दंड लगाने लगता है, तो वह अपने धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से भटक जाता है।

इन कानूनों में प्रायः यह प्रावधान होता है कि जो व्यक्ति अपना धर्म बदलना चाहता है, उसे पहले जिलाधिकारी को सूचना देना और अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा। यह प्रक्रिया स्वयं में संविधान द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का उल्लंघन है, क्योंकि किसी व्यक्ति की आस्था का निर्णय उसकी अंतरात्मा का विषय है, न कि सरकारी अनुमति का।

धर्मांतरण विरोधी कानूनों का सबसे गहरा असर अंतर्धार्मिक विवाहों पर पड़ा है। कई राज्यों ने इन कानूनों को तथाकथित "लव जिहाद" की अवधारणा से जोड़ दिया है-जिसमें यह प्रचारित किया जाता है कि एक धर्म विशेष के लोग विवाह के माध्यम से दूसरे धर्म की महिलाओं का धर्म परिवर्तन कराते हैं।

इस धारणा के आधार पर बनाए गए कानून, जैसे उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021; मध्यप्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम, 2021; और हरियाणा धर्म स्वतंत्रता विधेयक, 2022-इनमें यह प्रावधान है कि यदि विवाह धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया है, तो वह अवैध और शून्य घोषित किया जा सकता है।

इससे दो प्रमुख समस्याएँ उत्पन्न होती हैं-पहली, व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हननः प्रेम या विवाह व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद है। राज्य को यह तय करने का अधिकार नहीं होना चाहिए कि किसी व्यक्ति को किस धर्म में विवाह करना है। दूसरी, सामाजिक विभाजनः ऐसे कानून समाज में धार्मिक अविश्वास, भय और घृणा को बढ़ावा देते हैं, जिससे अंतरधार्मिक मेलजोल और सद्भाव प्रभावित होता है।

धर्मांतरण विरोधी कानूनों का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाई और मुस्लिम समाज पर पड़ता है। ईसाई मिशनरियों पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि वे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से "प्रलोभन देकर धर्मांतरण" कराते हैं।

इस कारण उनके सामाजिक कार्यों पर लगातार निगरानी और उत्पीड़न बढ़ा है। मुस्लिम समुदाय के संदर्भ में यह प्रचारित किया जाता है कि वे "लव जिहाद" के माध्यम से धर्मांतरण कराते हैं, जिससे मुस्लिम युवकों को झूठे मामलों में फँसाने की घटनाएँ बढ़ी हैं। इसके परिणामस्वरूप इन समुदायों में भय और असुरक्षा का वातावरण बना है। अनेक बार धर्मांतरण की झूठी अफवाहें फैलाकर भीड़ हिंसा की घटनाएँ हुई हैं, जो लोकतांत्रिक भारत के लिए गहरी चिंता का विषय है।

भारतीय न्यायपालिका ने इस विषय पर कई बार टिप्पणी की है। रेवरेंड स्टैनिसलॉ बनाम मध्यप्रदेश राज्य (1977) में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि "धर्म प्रचार का अधिकार धर्मांतरण का अधिकार नहीं है। " हालाँकि उस समय का संदर्भ जबरन धर्मांतरण से जुड़ा था। हादीया केस (2018) में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि "किसी बालिग व्यक्ति को अपनी पसंद का धर्म और जीवनसाथी चुनने की पूर्ण स्वतंत्रता है। " लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2006) में कोर्ट ने कहा कि अंतर्धार्मिक विवाह संविधान द्वारा संरक्षित व्यक्तिगत अधिकार है और इसमें हश्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए।

इन निर्णयों से यह स्पष्ट है कि अदालतें धर्मांतरण के जबरन या धोखे से किए जाने का विरोध करती हैं, किंतु स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन या अंतर्धार्मिक विवाह को पूर्णतः व्यक्ति की स्वतंत्रता मानती हैं।

धर्मांतरण विरोधी कानून केवल कानूनी नहीं बल्कि राजनीतिक औजार भी बन गए हैं। कुछ राजनीतिक दल इनका प्रयोग अपने ध्रुवीकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं। धार्मिक पहचान को राजनीतिक मुद्दा बनाकर चुनावी लाभ लेना इन कानूनों का अप्रत्यक्ष उद्देश्य बन चुका है। इस कारण सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

भारत जैसे लोकतांत्रिक और बहुधार्मिक देश में किसी भी व्यक्ति की अंतरात्मा की स्वतंत्रता सर्वोपरि होनी चाहिए। राज्य का कर्तव्य यह नहीं कि वह व्यक्ति की आस्था पर नियंत्रण करे, बल्कि यह सुनिश्चित करे कि किसी को भी उसके धर्म या विश्वास के कारण भेदभाव या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्मांतरण विरोधी कानूनों की वर्तमान संरचना भारतीय संविधान की आत्मा-स्वतंत्रता, समानता और धर्मनिरपेक्षता-के विरुद्ध जाती है। यदि इन कानूनों को केवल बलपूर्वक या छल से किए गए धर्मांतरण तक सीमित रखा जाए, तो वे न्यायसंगत माने जा सकते हैं; परंतु जब ये व्यक्ति की निजी आस्था, विवाह और जीवन की स्वतंत्रता में हश्तक्षेप करने लगते हैं, तब वे लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए खतरा बन जाते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि भारत में धर्मांतरण संबंधी कानूनों की पुनः समीक्षा की जाए, उन्हें संविधान के अनुरूप ढाला जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी कानून धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता की भावना को कमजोर न करे। धार्मिक विविधता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है, और इस विविधता की रक्षा ही हमारी सच्ची राष्ट्रभक्ति का प्रमाण है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

इस्कॉन जगन्नाथ धाम बेस का शुभारंभ

लखनऊ , एजेंसी। गोमतीनगर के विपुलखंड में इस्कॉन जगन्नाथ धाम बेस का उद्घाटन किया गया। सोमवार को काफी संख्या में भक्त दर्शन करने पहुंचे। भगवान जगन्नाथ जी, बलदेव जी और सुभद्रा मैया के दर्शन किए। इस्कॉन उत्तर भारत के जोनल सेक्रेटरी देवकीनंदन प्रभु ने पूजा-अर्चना कर सुख-शांति का आशीर्वाद मांगा। भजन-कीर्तन कर भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। देवकीनंदन प्रभु ने गीता का महत्व समझाया। अपरिमेय श्याम प्रभुजी, प्रेम हरिनाम प्रभुजी, अचिंत्य रुपिणी माताजी आदि लोग मौजूद रहे।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में छात्रों के दो गुटों में मारपीट

नवाबगंज , एजेंसी। सोहरामऊ क्षेत्र के सरस्वती मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप कर रहे छात्रों के दो गुटों में मारपीट हो गई। शाम को दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया। सरस्वती मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप कर रहे स्थानीय छात्रों और बाहर से आए इंटर्नशिप करने वाले छात्रों के गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर विवाद हो गया। इमरजेंसी वार्ड और लाइब्रेरी में विवाद के बाद में नौबत मारपीट तक पहुंच गई। कॉलेज स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। शाम को एक पक्ष के छात्र थाने पहुंचे और घटना की शिकायत की। इसी दौरान दूसरे पक्ष के परिजन भी कॉलेज परिसर पहुंच गए और मारपीट करने वाले छात्रों से बातचीत करने लगे। छात्रों ने समझा कि यह मारपीट करने आए हैं, इसपर फिर दोनों गुट मारपीट करने लगे। लेकिन बाद में किसी पक्ष ने कोई शिकायत नहीं की। कॉलेज प्राचार्य आरएन श्रीवास्तव ने बताया कि कुछ छात्र आपस में भिड़ गए थे, दोनों पक्षों को समझा दिया गया है। एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि एक पक्ष थाने आया था, बाद में दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया

अखिलेश दुबे के भाई और बेटी को भी हाईकोर्ट से राहत नहीं, कहा- गंभीर आरोप, साक्ष्य भी मौजूद

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में वक्फ की संपत्ति पर कब्जे के मामले में आरोपी अखिलेश दुबे, उसके भाई सर्वेश दुबे, बेटी सौम्या दुबे और अखिलेश के साथी राजकुमार शुक्ला की याचिकाएं हाईकोर्ट ने खारिज कर दी हैं। वक्फ की संपत्ति पर कब्जे, धमकाने, धोखाधड़ी व कूटरचना के आरोप में ग्वालटोली थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसी रिपोर्ट को निरस्त कराने के लिए चारों ने अलग-अलग याचिकाएं हाईकोर्ट में दाखिल की थीं। याचिका में मामले को एक दीवानी विवाद बताया गया था। पुलिस कमिश्नर के कहने पर गलत तरीके से मुकदमा दर्ज किए जाने की बात कही गई थी। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की दो सदस्यीय खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि बहुत गंभीर आरोप हैं और इसके समर्थन में कई साक्ष्य भी पत्रावली में मौजूद हैं। पुलिस कमिश्नर पर लगाया गया आरोप महत्वहीन है। सूचना देने वाले को धमकियां मिल रही हैं, नीलामी खरीदारों को पावर ऑफ अटॉर्नी पर हस्ताक्षर करने के लिए धमकाया गया है। सच्चाई का पता लगाने के लिए पूरी जांच जरूरी है इसलिए सभी याचिकाएं खारिज की जाती हैं।

शंकरानंद महाविद्यालय में बड़ी चोरी, दस्तावेजज्नगदी और कैमरे गायब, नवागत थाना प्रभारी को चुनौती

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में महाराजपुर के सरसौल रेलवे स्टेशन स्थित शंकरानंद डिग्री कॉलेज में सोमवार रात चोरों ने ताले तोड़कर सात अलमारियों को खंगाल डाला। इसके बाद 10 सीसीटीवी कैमरे और पंद्रह एलईडी बल्ब तोड़ दिए। चोर डीवीआर और कॉलेज का सीपीयू भी उठा ले गए। कॉलेज में चल रही परीक्षाओं के बीच हुई इस वारदात ने व्यवस्थाओं को पूरी तरह अस्त व्यस्त कर दिया है। प्राचार्य डॉ. ममता श्रीवास्तव ने बताया कि कॉलेज में प्रवेश पत्र तैयार किए जा रहे थे, जिनके लिए रखे गए करीब एक लाख रुपये की नगदी भी चोरी हो गई है। साथ ही, कई जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं, जिससे प्रशासनिक कामकाज और परीक्षाओं में भारी दिक्कतें आ रही हैं। घटना की सूचना पर महाराजपुर थाने से एकमात्र दरोगा मौके पर पहुंचे और छानबीन की, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। खास बात यह है कि सोमवार को ही महाराजपुर थाने के नए प्रभारी ने चार्ज संभाला था और ठीक अगले दिन चोरों ने वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे दी है। क्षेत्र में कुछ दिन पहले ही एक व्यापारी के यहां 33 लाख की बड़ी चोरी हुई थी और अब कॉलेज में सेंधमारी से साफ है कि महाराजपुर में इन दिनों चोरों का नेटवर्क सक्रिय है, जिनकी पहुंच से पुलिस अभी दूर है।

सीएम योगी ने मां पाटेश्वरी में उतारी आरती, गोसेवा कर गायों खिलाया गुड़-चना

बलरामपुर , एजेंसी। बलरामपुर जिले के तुलसीपुर में देवीपाटन मंदिर में मंगलवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां पांटेश्वरी की आरती उतारी। पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर की गोशाला में गायों को गुड़ चना व हरा चारा खिलाया। इसके साथ ही उन्होंने मंडल के जिलाधिकारियों से विकास के मुद्दे पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से भी भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी ने सभी को विकास योजनाओं को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। सोमवार की शाम को देवीपाटन मंदिर परिसर में आयोजित महंत महेंद्र नाथ योगी के 25 वीं पुण्यतिथि में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री योगी मंदिर में रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार की सुबह लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री योगी जब भी मां पाटेश्वरी मंदिर में आते हैं तो गोसेवा भी करते हैं। उन्होंने गायों को गुड़ और चना भी खिलाया।

बाराबंकी में सीएम योगी: 1734 करोड़ की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात, लाभार्थियों को वितरित करेंगे चेक

बाराबंकी , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को फतेहपुर के झांसापुरवा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे और जिले 1734 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे।

इसके अलावा कई योजनाओं के लाभार्थियों में चेक और प्रमाण पत्र बांटेंगे। इसके अलावा 20 हजार लोगों द्वारा सामूहिक रूप से वंदेमातरम् का गायन किया जाएगा।

दिल्ली धमाके में श्रावस्ती के दिनेश की मौत, परिजन बोले- कार्ड की दुकान में काम करते थे

लखनऊ , एजेंसी। रविवार रात दिल्ली में हुए धमाके में श्रावस्ती के इकौना थाना क्षेत्र के चिकनीपुरवा गांव निवासी दिनेश मिश्रा (34) की भी मौत हो गई। आधार न होने से उसका शव अज्ञात में रखा गया था।

मृतक दिनेश के भाई गुड्डू ने बताया कि दिनेश मिश्रा दिल्ली में कार्ड की दुकान में काम करते थे। उनकी शादी हो चुकी है और बच्चे भी हैं। परिवार गांव पर रहता है।

वहीं, रविवार को धमाके के बाद ही यूपी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। साथ ही राम मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि डीजीपी के निर्देश पर सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, जिलों और सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के आदेश दिए गए हैं। गश्त, चेकिंग और निगरानी बढ़ा दी गई है। लखनऊ समेत प्रमुख शहरों में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई है। साथ ही रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और बाजारों में भी सुरक्षा बाढ़ की गई। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की गई है कि वे किसी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

भूमि पूजन, प्राण प्रतिष्ठा और अब राम मंदिर की पूर्णता की घोषणा करेंगे मोदी, अयोध्या से है विशेष स्नेह

अयोध्या, एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के ऐतिहासिक पड़ावों में एक और स्वर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। भूमिपूजन और प्राण प्रतिष्ठा जैसे युगांतकारी क्षणों के साक्षी रहने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर की पूर्णता की घोषणा करने अयोध्या आ रहे हैं। यह अवसर केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र के सांस्कृतिक स्वाभिमान की परिणति के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का अयोध्या से गहरा नाता है। रामलला की नगरी उनके नेतृत्व में न केवल मंदिर निर्माण की गाथा लिख रही है, बल्कि नवीन अयोध्या के पुनर्जागरण की मिसाल भी बन रही है। मोदी प्रधानमंत्री रहते हुए अब तक चार बार अयोध्या आ चुके हैं और यह उनकी पांचवीं यात्रा होगी।

2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 2020 में भूमिपूजन, फिर 2024 में प्राण प्रतिष्ठा समारोह और अब 2025 में पूर्णता की घोषणा, यह क्रम मानो मोदी और अयोध्या के बीच आस्था का संवाद बन गया है। महंत विवेक आचारी कहते हैं कि अब जब प्रधानमंत्री 'पूर्णता' की घोषणा करेंगे तो यह न केवल राम मंदिर के निर्माण का समापन होगा, बल्कि आस्था, विकास और राष्ट्रीय गौरव का शंखनाद भी होगा।

राम दरबार की आरती करेंगे पीएम : अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में ध्वजारोहण समारोह की रूपरेखा व ध्वज की डिजाइन को अंतिम रूप दे दिया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को तीन घंटे अयोध्या में रहेंगे। वह रामलला समेत राम दरबार के दर्शन कर आरती उतारेंगे।

पछुआ हवाओं से प्रदेश में रात में शीतलहर जैसे हालात, ये शहर रहे सबसे ठंडे; जारी हुए पूर्वानुमान

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पहाड़ों से आ रही ठंडी पछुआ के जोर से कई जिलों में रात का तापमान सामान्य से काफी नीचे आ गया है। सोमवार को इटावा, कानपुर और बाराबंकी जिलों में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे लुढ़क गया। वहीं कई जिलों में रात का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे दर्ज किया गया है। सोमवार को इटावा में रात का पारा 8.9 डिग्री, कानपुर शहर में 9.2 डिग्री और बाराबंकी में 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

इस बीच मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में अगले तीन दिनों तक कई जिलों में रात में शीतलहर जैसी स्थितियां रह सकती हैं। ऐसे में मौसम विभाग की ओर से लोगों को तड़के सुबह-शाम और देर रात में ठंड से समुचित बचाव करने का सुझाव जारी किया गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश के कई जिलों में रात में तापमान 10 डिग्री से नीचे आ गया है। साथ ही इन जिलों में न्यूनतम पारा सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे लुढ़क जाने से शीतलहर जैसी स्थितियां बन सकती हैं। वहीं कई जिलों में सुबह के समय कोहरा और बढ़ेगा, जबकि दिन में धूप की मौजूदगी बनी रहेगी।

रातें हुई सर्द, तालकटोरा की हवा हुई खराब : राजधानी में सोमवार को दिन की शुरुआत हल्के कोहरे के साथ हुई। दोपहर की धूप में हल्की तपिश बढ़ी हुई महसूस हुई और दिन के पारे में मामूली बढ़त दर्ज हुई। देर शाम से लेकर रात भर और सुबह तक चल रही ठंडी सिहरन भरी पछुआ हवाओं के असर से यहां ठंड में तेजी से इजाफा हुआ है। रात के पार में 1 डिग्री तक की गिरावट आई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पश्चिमी हिमालय में हुई बर्फबारी और पछुआ हवाओं के असर से रात के पारे में अभी और गिरावट के संकेत हैं।

मंगलवार को तड़के सुबह कोहरे के साथ ठंड में बढ़त देखने को मिल सकती है। सोमवार को दिन का तापमान 0.4 डिग्री की मामूली बढ़त के साथ 28.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वहीं रात का तापमान 1 डिग्री की गिरावट के साथ 12.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कीछात्राओं ने सुनाई पीड़ा, मैम... खाने की गुणवत्ता ठीक नहीं

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ। मैम... छात्रावास की मेस में खाने की गुणवत्ता ठीक नहीं है। रोज एक ही तरह का खाना मिलता है और स्वाद भी नहीं आता। आप कहिए कि इसमें सुधार हो। यह शिकायत बख्शी का तालाब क्षेत्र के महिंगवा के कुम्हरांवा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की छात्राओं ने राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव से औचक निरीक्षण के दौरान की।

सोमवार शाम करीब चार बजे पहुंचीं उपाध्यक्ष ने लगभग एक घंटे तक परिसर में रहकर छात्राओं से संवाद किया और विद्यालय की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने भोजन, पढ़ाई, खेलकूद और अन्य सुविधाओं की गुणवत्ता पर छात्राओं से सीधे फीडबैक लिया।

वंदे मातरम का होगा रोज़ाना गायन : निरीक्षण के दौरान अपर्णा यादव ने कक्षा छह की भूमिका रावत से हिंदी पाठ पढ़वाया और बालिका तृप्ति शर्मा से वंदे मातरम गीत सुना। उन्होंने विद्यालय की वार्डन स्वतनिक को निर्देश दिया कि सभी बच्चों से प्रतिदिन वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन कराया जाए।

उन्होंने छात्राओं को महिला आयोग का व्हाट्सएप नंबर भी उपलब्ध कराया ताकि वे सीधे अपनी समस्याएं साझा कर सकें। उपाध्यक्ष ने विद्यालय में पढ़ाई और अनुशासन की सराहना की। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह कटियार और जिला समन्वयक बालिका सविता शुक्ला भी मौजूद रहे।

केक काटकर मनाया कन्याओं का जन्मदिन : निरीक्षण के बाद उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने सीएचसी बीकेटी और राम सागर मिश्र अस्पताल में नवजात कन्याओं के साथ कन्या जन्मोत्सव मनाया। उन्होंने माताओं के साथ केक काटकर बच्चियों का जन्मदिन मनाया और उन्हें बेबी किट्स भेंट कीं। इसके बाद उन्होंने कठवारा व चंदनकुंड आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया और छोटे बच्चों व गर्भवतियों के पोषण की जानकारी ली।

महिलाओं को खूब भा रहे कश्मीरी शॉल और कुर्ते

लखनऊ। बीरबल साहनी मार्ग स्थित पंडित गोविंद वल्लभ पंत सांस्कृतिक उपवन में जारी उत्तराखंड महोत्सव में इस बार कश्मीर कपड़ों की गर्माहट का असर साफ दिख रहा है, जहां मंच पर लोक संस्कृति की झलक बिखेरते कलाकार दर्शकों का मन मोह रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं को कश्मीरी शॉल और कुर्ते खासे पसंद आ रहे हैं।

सोमवार दोपहर से ही कश्मीरी कपड़ों के स्टॉल पर खरीदारों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। सुंदर कढ़ाई, हल्के वजन और बेहतरीन गर्माहट के कारण पश्मीना शॉल और कश्मीरी कुर्ते महिलाओं को आकर्षित कर रहे हैं। इस बार सबसे ज्यादा मांग 'राइजिंग पश्मीना शॉल' की है, जिसकी शुरुआती कीमत 5,000 रुपये है।

कश्मीरी व्यापारी आमिर अब्बास ने बताया कि यह शॉल अंधेरे में हल्की चमक बिखेरता है। पश्मीना सिल्क शॉल भी महिलाओं की पहली पसंद बना हुआ है, जिसकी शुरुआती कीमत 2,000 रुपये है। लद्दाख की चांगथांगी और पूर्वी हिमालय की चेंगू बकरियों के महीन ऊन से यह शॉल तैयार किया जाता है। महीनों की मेहनत से तैयार यह शॉल मुलायम, हल्का और बेहद गर्माहट देने वाला होता है।

स्वदेशी इस्तेमाल के संकल्प के साथ मनाई दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती

लखनऊ , एजेंसी। स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक व संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे दत्तोपंत ठेंगड़ी की जन्म जयंती को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने स्वदेशी संकल्प दिवस के तौर पर मनाया। हजरतगंज स्थिति गांधी प्रतिमा के पास हुए कार्यक्रम में समाज के कई वर्गों ने स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। उनकी जन्मजयंती को हर वर्ष स्वदेशी संकल्प दिवस के रूप में धूमधाम से मनाएंगे। प्रदेश के जालौन, चंदौसी, शाहजहांपुर, गोरखपुर, रायबरेली, महाराजगंज, सीतापुर, कन्नौज समेत अन्य जनपदों में कार्यक्रम हुए। महानग अध्यक्ष सुरेश छाबलानी ने बताया कि व्यापारियों के साथ आईआईए लखनऊ चैप्टर अध्यक्ष विकास खन्ना, डॉ रितेश श्रीवास्तव, राजीव बंसल, चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनीत मिश्रा, विजय गुलाटी, नेहा कीर्ति तिवारी, कमल किशोर त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल, राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सीमेंटङ्कसरिया के दाम घटे, मजदूरों की कमी से कारोबार भी घटा

लखनऊ , एजेंसी। घर बनाने का सपना देखने वालों के लिए राहत भरी खबर है। जीएसटी दरों में कमी के बाद सीमेंट और सरिया के दामों में गिरावट आने से निर्माण लागत अब पहले से कम हो गई है। इससे मध्य वर्ग को खासी राहत मिली है। 1000 वर्ग फीट मकान के निर्माण में सीमेंट पर 40 हजार रुपये व सरिया पर 30 हजार रुपये की लागत कम हो गई है।

निर्माण सामग्री सस्ती होने के बावजूद निर्माण कार्यों की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ी हुई है। इसकी वजह श्रमिकों की कमी है। बताया जाता है कि ज्यादातर स्थानीय मजदूर इन दिनों धान की कटाई में व्यस्त हैं। बाहर से आए श्रमिक त्योहार के बाद अभी तक नहीं लौटे हैं। जानकारों का कहना है कि जैसे ही कृषि कार्य और त्योहारी सीजन का दौर खत्म होगा, श्रमिकों की उपलब्धता बढ़ेगी और निर्माण कार्यों में फिर तेजी देखने को मिलेगी। हालांकि, तब तक ठेकेदारों और मकान बनाने वालों को थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा।

1000 वर्ग फीट में 600 बोरी सीमेंट, 30 क्विंटल लगती है सरिया

अभियंता लघु सिंचाई मो. नियाज के मुताबिक 1000 वर्ग फीट भवन के निर्माण में करीब 600 बोरी सीमेंट और करीब 30 क्विंटल सरिया लगती है। पहले सीमेंट 395 से 440 रुपये तक बिकती थी जो अब 370 रुपये से लेकर 400 रुपये तक बिक रही है। सरिया 6000 रुपये प्रति क्विंटल के स्थान पर अब 5100 रुपये प्रति क्विंटल मिल रही है। इस तरह सरिया पर करीब 30 हजार और सीमेंट पर करीब 40 हजार रुपये की लागत कम हो गई है।

मिस्त्री और मजदूर कम मिल रहे

बिल्डिंग मैटेरियल के कारोबारी अमित अवस्थी के अनुसार सीमेंट-सरिया के दाम में गिरावट के बाद भी इसकी बिक्री पिछले एक महीने में 50 फीसदी से भी कम हो गई है। पहले करीब 100 बोरी फुटकर और 400 बोरी थोक सीमेंट बिक जाती थी लेकिन अब बिक्री आधी से भी कम हो गई है। भवन निर्माण कराने वालों का कहना है कि मिस्त्री और मजदूर कम मिल रहे हैं।

काम शुरू करने में दिक्कत हो रही

बसेड़ा मोड़ कल्याणपुर निवासी शमशेर एडवोकेट के अनुसार भवन के पुराने भाग की कुछ मरम्मत करानी थी। इसके अलावा एक कमरा और बनवाना है। सीमेंट-सरिया के दाम कम होने से बनवाने की हिम्मत जुटाई लेकिन अधिकांश मिस्त्री और मजदूर पिछले दिनों त्योहार पर अपने घर जाने के बाद वापस नहीं आए हैं। धान की कटाई, तिलहन फसलों की बोआई शुरू होने से काफी मजदूर उसमें लग गए हैं। इस वजह से काम शुरू करने में दिक्कत हो रही है।

नेशनल कार्टिंग में रच दिया 9 साल की अर्शी ने इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। बित्ते भर की लड़की और कारनामे बड़े-बड़े, ये कहावत फरीदाबाद की 9 साल की अर्शी गुप्ता पर पूरी तरह फिट बैठती है, जिन्होंने इस छोटी सी उम्र में रिकॉर्डतोड़ कारनामा कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी गुप्ता महज 9 साल की उम्र में नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला रेसर बन गई हैं। फरीदाबाद निवासी अर्शी ने यह कारनामा महज लड़कियों के खिलाफ नहीं किया बल्कि उन्होंने लड़के-लड़कियों, दोनों की मौजूदगी वाली माइक्रो मैक्स क्लास कैटगरी में खिताब जीतने का इतिहास रचा है।

कार्टिंग करते हुए महज दूसरा साल: फरीदाबाद में 18 अक्तूबर, 2016 को जन्मी अर्शी दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी को कार्टिंग के कॉम्पिटेटिव सर्किट में रेस करते हुए यह महज दूसरा साल हुआ है। उन्होंने साल 2024 में कार्टिंग की शुरुआत की थी। वे लीपफ्रॉग रेसिंग के तहत रेस करती हैं। उन्होंने अगस्त, 2025 में भी उस समय सभी को चौंका दिया था, जब मद्रास इंटरनेशनल कार्टिंग एरिना में अर्शी ने राउंड 3 जीता था। इसके अलावा वे कोयंबटूर में भी जीत हासिल कर चुकी हैं।

21 साल के कार्टिंग इतिहास में सबसे युवा विजेता: अर्शी नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप जीतने वाली इंडियन रोटेक्स सीरीज के 21 साल के इतिहास में पहली लड़की बन गई हैं।

साथ ही वे खिताब जीतने वाली सबसे युवा विजेता भी बनी हैं। फाइनल राउंड में अर्शी ने 8 से 12 साल आयु वर्ग वाली माइक्रो मैक्स क्लास में प्री-फाइनल और फाइनल रेस, दोनों में फतेह हासिल की है। वह प्री-फाइनल जीतकर मिड-ग्रिड से एडवांस में आई और इसके बाद फाइनल में अपनी पोल पोजीशन को खिताबी जीत में तब्दील कर दिया।

● खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

साइक्लिंग में दिखा था कार्टिंग का हुनर: अर्शी के पिता को उसकी साइक्लिंग से जुड़ी गतिविधियों के दौरान कार्टिंग करने लायक पैशन दिखाई दिया। इसेक बाद वे उसे गुरुग्राम के लोकल ट्रैक पर रोहित खन्ना से कोचिंग दिलाने ले गए। अर्शी के पिता अंचित गुप्ता के मुताबिक, वह पहले दिन से कार्टिंग को प्यार करती थी और हर वीकएंड वहां चलने के लिए जोर देती थी। यदि मैं किसी सप्ताह चूक जाता था तो अगले सप्ताह उसकी भरपाई करनी पड़ती थी। अर्शी 5 महीने के लिए यूएई और 10 सप्ताह के लिए ब्रिटेन में भी कड़ी ट्रेनिंग से गुजर चुकी है।

रिकॉर्ड बुक में खिताब जीतने से पहले ही लिखवाया नाम

अर्शी ने नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप जीतने से पहले ही रिकॉर्ड बुक में नाम लिखव लिया था। वह नेशनल कार्टिंग लाइसेंस हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला रेसर है। सितंबर, 2025 में उन्होंने एशिया पैसेफिक मोटरस्पोर्ट्स चैंपिनशिप में टीम इंडिया की तरफ से भाग लिया था। श्रीलंका में आयोजित इस चैंपियनशिप में अर्शी ने कार्टिंग स्प्रिंट इवेंट की मिनी कैटेगरी में चौथा स्थान हासिल किया था।

इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी करेंगे टी20 डेब्यू, इस दिन खेलेंगे पहला मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने पहली बार बिहार की तरफ से खेलते हुए टी20 में डेब्यू किया था. उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अपना पहला मैच खेला, जिसमें 13 रन बनाए थे. उसके बाद उन्होंने ढ्ढक्क 2025 में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ डेब्यू किया था. जिसमें उन्होंने 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे. अब वो नीली जर्सी में डेब्यू करते दिखेंगे. वैभव सूर्यवंशी पहली बार भारत की किसी टीम के लिए टी20 खेलते नजर आएंगे. राइजिंग स्टार्स एशिया कप में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू देखने को मिल सकता है.

राइजिंग स्टार्स एशिया कप 14 नवंबर से शुरू हो रहा है. इस टूर्नामेंट के लिए इंडिया ए की टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है. यह पहला मौका होगा जब वैभव नीली जर्सी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. उनकी स्किल्स और प्रदर्शन को देखते हुए, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं. नीली जर्सी में वैभव सूर्यवंशी का टी20 डेब्यू राइजिंग स्टार्स एशिया कप के पहले मुकाबले में ही दिख सकता है. क्योंकि इस टूर्नामेंट का पहला मैच भारत और यूएई के बीच खेला जाएगा. यानी वैभव 14 नवंबर को ही अपना पहला मैच नीली जर्सी में खेल सकते हैं. सूर्यवंशी ने इससे पहले भारत की अंडर 19 टीम के लिए वनडे मुकाबले खेले हैं. लेकिन कभी भी ञ्20 नहीं खेला. ऐसे में ये पहली ही बार होगा जब वैभव भारत के लिए नीली जर्सी में खेलते दिखेंगे.

वैभव सूर्यवंशी का टी20 करियर

वैभव सूर्यवंशी ने अब तक कुल 8 टी20 मुकाबले खेले हैं. जिसमें उन्होंने 207.03 की शानदार स्ट्राइक रेट से 265 रन बनाए और उनके नाम 1 शतक और 1 अर्धशतक भी शामिल है. वैभव ने बिहार के लिए टी20 डेब्यू पर केवल 13 रन बना पाए थे. वहीं आईपीएल डेब्यू पर 34 रन बनाए थे. अब ये देखना है कि वैभव इंडिया ए के लिए डेब्यू करते समय कितना बड़ा स्कोर कर पाते हैं.

शमी को टीम से बाहर रखने का कोई कारण नहीं, वो अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक: सौरव गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को लेकर बड़ा बयान दिया है। गांगुली का मानना है कि शमी अब भी भारत के सबसे फिट और प्रभावी गेंदबाज़ों में से एक हैं, और उन्हें टीम से बाहर रखने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि शमी लगातार रणजी ट्रॉफी में शानदार गेंदबाज़ी कर रहे हैं और भारत की तीनों फॉर्मेट की टीम में वापसी के हकदार हैं।

शमी वही हैं, जैसे पहले थे : गांगुली

कोलकाता में आयोजित एक इवेंट के दौरान सौरव गांगुली ने कहा, मोहम्मद शमी बहुत अच्छे फॉर्म में हैं। अगर आपने रणजी ट्रॉफी देखी हो तो वे अकेले दम पर बंगाल के मैच जिता रहे हैं। फिटनेस और स्किल के मामले में वे बिल्कुल वही शमी हैं, जिन्हें हम हमेशा जानते हैं। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि वे भारत के लिए टेस्ट, वनडे या टी20 क्यों नहीं खेल सकते। गांगुली ने यह भी कहा कि उन्हें यकीन है चयनकर्ता शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं और दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

फिटनेस को लेकर उठे सवाल और सेलेक्टर्स का बयान

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज़ से शमी को बाहर रखा गया था। उस वक्त मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने बताया था कि शमी को फिटनेस कारणों से चयन नहीं किया गया। हालांकि, गांगुली इस दावे से सहमत नहीं दिखे। उन्होंने कहा कि अगर कोई गेंदबाज़ 90 ओवर से ज़्यादा गेंद फेंक सकता है और लगातार लंबे स्पेल डाल रहा है, तो उसकी फिटनेस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।

रणजी ट्रॉफी में शमी का दमदार प्रदर्शन: बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए मोहम्मद शमी ने इस सीज़न में शानदार प्रदर्शन किया है।

57 साल, 43 मुकाबलों का इंतजार

जम्मू कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी में पहली बार दिल्ली को हराकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025 के चौथे मुकाबले में जम्मू कश्मीर की टीम ने दिल्ली को हराकर इतिहास रच दिया है। 57 साल के इंतजार के बाद जम्मू कश्मीर ने दिल्ली को इस टूर्नामेंट में मात दी है। दिल्ली के अरुण जेठली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पारस डोगरा की कप्तानी वाली जम्मू कश्मीर की टीम ने 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पारस डोगरा और कामरान इकबाल की शतकीय पारियों ने इसमें अहम भूमिका निभाई।

42 मैचों के बाद खत्म हुआ इंतजार: इस मैच से पहले तक दिल्ली ने जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में कुल 42 मैचों में से 37 में जीत दर्ज की थी और चार मैच ड्रॉ हुए थे। जबकि एक मुकाबला बेनतीजा था। यानी 42 मैचों के इंतजार के बाद अब 43वें मुकाबले में जम्मू कश्मीर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पहली बार दिल्ली को रणजी ट्रॉफी मैच में मात दी है। टीम को सभी खिलाड़ियों के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से जीत मिली।

इस मैच की बात करें तो जम्मू कश्मीर की तरफ से पहली पारी में कप्तान पारस डोगरा ने 106 रन की शतकीय पारी खेली थी। उसके बाद दूसरी पारी में 179 रन का लक्ष्य चेज करते हुए ओपनर कामरान इकबाल ने 147 गेंदों पर नाबाद 133 रन बना दिए। टीम ने सिर्फ तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। अंत में कामरान के साथ कप्तान पारस डोगरा भी 10 रन बनाकर नाबाद थे।

इस मैच की बात करें तो पहले खेलते हुए दिल्ली की टीम सिर्फ 211 रन पर ही सिमट गई थी। आकिब नबी ने 5 विकेट अपने नाम किए थे। उसके बाद जम्मू कश्मीर ने अपनी पहली पारी में पारस डोगरा के शतक की बदौलत 310 रन बनाए थे और 99 रन की बढ़त ली थी। फिर दूसरी पारी में दिल्ली की टीम 277 रन ही बना पाई और वंशज शर्मा ने जम्मू कश्मीर के लिए 6 विकेट लिए। फिर 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू कश्मीर ने कामरान के शतक की बदौलत आसानी से मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप:

भारत का शानदार प्रदर्शन, रिकर्व पुरुष और कंपाउंड महिला टीमें फाइनल में

ढाका, एजेंसी। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में सोमवार को भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने फाइनल में जगह बना ली है। अतनु दास, यशदीप संजय भोगे और राहुल की दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष रिकर्व टीम ने कजाकिस्तान को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अब फाइनल में भारत के सामने साउथ कोरिया होगा, जो सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान को 6-2 से शिकस्त देकर यहां तक पहुंचा है। भारत की पुरुष तिकड़ी ने तुर्कमेनिस्तान पर 6-2 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 6-0 से शिकस्त दी। 25 वर्षीय संजय भोगे ने क्वालीफिकेशन राउंड में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ क्वालीफिकेशन स्कोर 687 अंक हासिल किया। इस दौरान नौ ङ्क10 शामिल थे। उन्होंने इससे पहले एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पदक बैंकॉक में 2019 एशिया कप में मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता था।

अनुभवी तीरंदाज अतनु 668 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे, जबकि 666 अंकों के साथ राहुल ने 11वां स्थान हासिल किया। दूसरी ओर, ज्योति सुरेखा वेन्नम, पृथिका प्रदीप और दीपशिखा की महिला तिकड़ी ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 234-227 से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां उनका सामना साउथ कोरिया से होगा, जिसने ईरान को 237-227 से मात दी है। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में वियतनाम पर 235-225 से जीत दर्ज की थी। इसके बाद सेमीफाइनल में मेजबान बांग्लादेश को शिकस्त दी। भारत की दीपशिखा क्वालीफिकेशन राउंड में 705 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं। वहीं, वर्ल्ड नंबर-2 ज्योति सुरेखा वेन्नम 703 अंकों के साथ दूसरे और पृथिका प्रदीप 702 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। चिकिथा तनिपर्थी ने 701 अंकों के साथ चौथे पायदान अपने नाम किया। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में मंगलवार को ढाका में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं के साथ प्रतिस्पर्धा जारी रहेगी। यह प्रतियोगिता पूरे सप्ताह चलेगी। कंपाउंड फाइनल गुरुवार को और रिकर्व फाइनल शुक्रवार को होंगे। ढाका के नेशनल स्टेडियम में जारी एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में 29 देशों के कुल 207 तीरंदाज 10 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

पाकिस्तान में क्रिकेटर नहीं हैं सुरक्षित; श्रीलंका सीरीज से पहले हुई फायरिंग, पाक गेंदबाज का घर गोलियों से भूना गया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में अभी भी भारतीय क्रिकेट टीम जाकर नहीं खेलती है। वहीं दुनिया के कई देश आज भी यहां जाकर क्रिकेट खेलने में कतराते हैं। 2009 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद हर टीम के अंदर पाकिस्तान जाकर खेलने से डर रहता है। फिर भी पिछ्ले एक दो साल में पाकिस्तान में जाकर कुछ देशों ने क्रिकेट खेला है। वहीं श्रीलंका की टीम वनडे सीरीज के लिए अभी पाकिस्तान के दौरे पर है। सीरीज की शुरुआत से कुछ घंटों पहले ही पाकिस्तान के एक बड़े खिलाड़ी का घर गोलियों से भून दिया गया। आपको बता दें कि श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच पहला वनडे मैच रावलपिंडी में 11 नवंबर को खेला जाना है। जबकि सोमवार 10 नवंबर को पाकिस्तानी गेंदबाज नसीम शाह के घर के बाहर गोलीबारी का मामला सामने आया है।

खेल जगत में बड़े बदलाव के संकेत:

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम स्पोर्ट्स सिटी बनेगी, सरकार ने शुरू की तैयारिया

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के तहत मौजूदा स्टेडियम को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि यहां सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं और खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आवासीय परिसर तैयार किए जा सकें।

देश की राजधानी स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (जेएलएन स्टेडियम) को अब एक स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा।

खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के तहत मौजूदा स्टेडियम को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि यहां सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं और खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आवासीय परिसर तैयार किए जा सकें।

बड़े बदलाव की तैयारी में खेल मंत्रालय: मंत्रालय के सूत्र के अनुसार, यह योजना फिलहाल प्रस्ताव स्तर पर है, इसलिए अभी इसकी लागत और समयसीमा तय नहीं की गई है। सूत्र ने बताया, स्टेडियम को तोड़ा जाएगा। इसके अंदर मौजूद सभी दफ्तर जैसे नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा), नेशनल डोप टेस्टिंग लेबोरेटरी (एनडीटीएल) और आयकर विभाग को परियोजना शुरू होने पर अन्य जगह स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्टेडियम की 102 एकड़ जमीन का उपयोग उसकी पूरी क्षमता के अनुसार नहीं हो रहा है।

नया स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट सुनिश्चित करेगा कि यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की सुविधाएं, एथलीट्स के रहने की व्यवस्था और यहां तक कि मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित हो सकें। वर्तमान में स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का मुख्यालय और सरकार की खेलो इंडिया परियोजना का दफ्तर भी स्थित है।

सूत्रों के मुताबिक, यह परियोजना कई मंत्रालयों, विशेषकर शहरी विकास मंत्रालय के सहयोग से पूरी होगी। इसलिए इसके तुरंत शुरू होने की संभावना कम है। अधिकारी ने कहा, यह फिलहाल एक विचार है, लेकिन मंत्रालय इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ना चाहता है।

एटीपी फाइनल्स : सिनर की शानदार शुरुआत, अलियासिमे को 7-5, 6-1 हराया

ट्यूरिन, एजेंसी। इटली के स्टार खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर एटीपी फाइनल्स में आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है। सिनर ने चोट से जूझ रहे कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 1 घंटे 41 मिनट तक चले मुकाबले में शिकस्त दी।

इस जीत के साथ जैनिक सिनर ने ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में अपना रिकॉर्ड 1-0 कर लिया है। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी अब लगातार 27 मैचों से जीत की लय में हैं। उन्होंने 2023 के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद से एटीपी

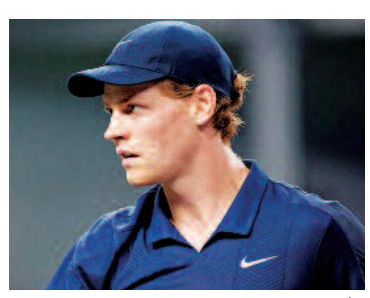

फाइनल्स में एक भी सेट नहीं गंवाया है। जैनिक सिनर और ऑगर-अलियासिमे ने पहले सेट में कड़ा संघर्ष किया। कनाडाई खिलाड़ी ने 3-2 पर दो ब्रेक प्वाइंट और 5-4 पर एक सेट प्वाइंट बचाने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन वह 12वें गेम में सिनर को निर्णायक ब्रेक नहीं दे पाए। इस बीच उन्होंने अपने बाएं पैर में दर्द महसूस किया। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने पहले सेट के अंत में ऑफ-कोर्ट मेडिकल टाइम-आउट लिया।

फेलिक्स ऑगर-अलियासि दूसरे सेट के दूसरे गेम में सर्विस गंवाने के बाद उबर नहीं पाए। वह बाईं पिंडली में दर्द से परेशान थे। ऐसे में कोर्ट पर ही उनका उपचार किया गया। परेशानी के बावजूद उन्होंने लगातार संघर्ष किया, लेकिन सेट को 1-6 से गंवा बैठे। मुकाबला जीतने के बाद सिनर ने ऑगर-अलियासिमे के बारे में कहा, मुझे उम्मीद है कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उम्मीद करता हूं कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएं। इनाल्पी एरिना में जीत के साथ सिनर ने एटीपी ईयर-एंड नंबर 1 के लिए कार्लोस अल्काराज को पछाड़ने की अपनी संभावनाओं को भी बरकरार रखा है। लाइव रैंकिंग में यह इतालवी खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी से 1,050 अंक पीछे है। दूसरी ओर, अल्काराज ने रविवार दोपहर एलेक्स डी मिनौर को हराकर अपने एटीपी फाइनल्स अभियान की शुरुआत की थी।

सम्राट 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व चैंपियन, मनु-ईशा पदक से चूकीं, तालिका में पांचवें स्थान पर भारत

काहिरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा। युवा भारतीय निशानेबाज सम्राट राणा ने सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। करनाल के सम्राट ने फाइनल में 243.7 अंक हासिल कर चीन के हू काई को पछाड़ा। काई ने 243.3 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा।

मनु और ईशा पदक से चूकीं

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पदक जीतने से चूक गयी। पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था लेकिन 14वें निशाने में 8.8

का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गईं और 139.5 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गयी। हाल ही में चीन के निंगबो में विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने वाली ईशा भी दबाव में धैर्य नहीं दिखा सकी। 20 वर्षीय यह निशानेबाज आठ निशानेबाजों के फाइनल में 10.7 के शानदार प्रदर्शन के बाद 14वें निशाने में 8.4 अंक ही बना पाई और छठे स्थान पर रहीं। चीन की 20 वर्षीय याओ कियानक्सुन ने 243.0 अंक हासिल करके अपने करियर का सबसे बड़ा पदक जीता, जबकि हांगकांग-चीन की हो चिंग शिंग (241.2) और वेई कियान (चीन, 221.4) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर थोड़ी सांत्वना मिली जिसमें ईशा (583), मनु (580) और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सुरुचि इंदर सिंह (577) ने 1740 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। ईशा और मनु दोनों ही क्वालिफिकेशन में अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर फाइनल में पहुंचीं। ईशा ने क्वालिफिकेशन चरण में 583 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने इस दौरान तीसरी सीरीज में परफेक्ट-100 भी हासिल किया।

मनु ने क्वालिफिकेशन में 580 अंक हासिल किए और छठे स्थान के साथ आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने फाइनल में 13वें निशाने पर शानदार 10.7 अंक के साथ बढ़त बनाई, लेकिन अगले निशाने (8.8 अंक) के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।